जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 304 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 23 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली में बिहार के 4 वांटेड गैंगस्टर ढेर

कुख्यात रंजन पाठक गैंग का खात्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने बिहार के चार मोस्ट वांटेड गैंगस्टरों को गुरूवार सुबह मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और बिहार पुलिस के संयुक्त अभियान में रोहिणी में हुई मुठभेड़ में बिहार के चार मोस्ट वांटेड गैंगस्टर मारे गए हैं। दिल्ली पुलिस ने एक्स में उस जगह के दृश्य जारी किये हैं जहां रात 2.20 बजे चार आरोपियों और दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम के बीच गोलीबारी हुई। मुठभेड़ में बिहार का कुख्यात बदमाश रंजन पाठक भी मारा गया है जिसके नाम से बिहार में 'सिग्मा एंड कंपनी' नाम का गैंग था।

दिल्ली के रोहणी में हुई इस मुठभेड़ में बिहार के रंजन पाठक (25), बिमलेश महतो (25), मनीष पाठक (33) और अमन ठाकुर (21) मारे गए। रंजन पाठक, बिमलेश महतो और मनीष पाठक सीतामढ़ी, बिहार के रहने वाले थे और अमन ठाकुर करवाल नगर, दिल्ली का रहने वाला था।

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने बिहार पुलिस के साथ रोहिणी में एक मुठभेड़ के दौरान बिहार के कुख्यात रंजन पाठक गैंग के चार सदस्यों को गोली मार दी। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले गैंग सदस्यों द्वारा किसी बड़ी आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने की योजना बनाई गई थी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके में जाल बिछाया। चारों पर बिहार में कई मामले दर्ज हैं। जिसमें हत्याएं और सशस्त्र डकैती शामिल हैं।

डीसीपी क्राइम ब्रांच डीसीपी संजीव यादव ने बताया कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने बिहार पुलिस के साथ मिलकर रोहिणी में एक मुठभेड़ के दौरान बिहार के कुख्यात रंजन पाठक गिरोह के चार सदस्यों को मार गिराया है। मुठभेड़ सुबह करीब 2:20 बजे हुए। इस विशेष खुफिया सूचना के आधार पर गिरोह के सदस्य आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले एक बड़ी आपराधिक गतिविधि को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

दिल्ली पुलिस अपराध शाखा और बिहार पुलिस की एक संयुक्त टीम ने इलाके में जाल बिछाया। जब पुलिस दल ने संदिग्धों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। चारों आरोपी गोली लगने से घायल हो गए और उन्हें रोहिणी के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक चारों बिहार में कई हत्याओं और सशस्त्र डकैती सहित कई मामलों में वांछित थे। दिल्ली पुलिस और बिहार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया है। फोरेंसिक और अपराध स्थल जांच टीमों को बुलाया गया। आगे की जांच जारी है।

बिहार में तेजस्वी होंगे सीएम फेस

महागठबंधन की प्रेसवार्ता में अशोक गहलोत ने की घोषणा

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव को लेकर गुरूवार को महागठबंधन की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस हुई। पटना के एक बड़े होटल में कांग्रेस, राजद, वामदल, वीआईपी और आईआईपी के प्रमुख नेता जुटे हैं। महागठबंधन ने स्पष्ट कहा कि पूरा गठबंधन एकजुट है। प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने घोषणा की कि महागठबंधन बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा और तेजस्वी यादव सीएम का चेहरा होंगे। जबकि मुकेश सहनी डिप्टी सीएम का चेहरा होंगे।

प्रेसवार्त में अशोक गहलोत ने कहा कि बिहार में महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है और मजबूती से चुनाव लड़ रहा है। अशोक गहलोत ने सीएम फेस का ऐलान करते हुए कहा कि सबकी राय लेकर हमने तय किया है कि इस बार के चुनाव में तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे।

अशोक गहलोत ने कहा कि देश के जो हालात हैं, उससे चिंतित होना जरूरी है. देश किस दिशा में जा रहा है, कोई नहीं जानता। देश में बेरोजगारी है।

हम सब की जिम्मेदारी बनती है, कि ऐसे वक्त में देश क्या चाहता है, हर बात का ख्याल रखा जाए. किसान, मजदूर, आम आदमी, छात्र और युवा सभी के लिए हालात वही हैं. जब ऐसा होता है, तो लोग बदलाव चाहते हैं और इस बार बदलाव होगा। जिस तरह से पब्लिक ने रिस्पॉन्स दिया, पूरे देश ने देखा। बिहार में बदलवा लाने के लिए तैयार है। भारी बहुमत से हमलोग सरकार बनाने जा रहे हैं।

वहीं वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोग पिछले साढ़े तीन साल से इस समय का इंतजार कर रहे थे। हमलोगों ने प्रण लिया था कि जब तक भाजपा को तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं। आज वह समय आ चुका है। चुनाव के बाद बिहार की जनता भाजपा को खदेड़ देगी। महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

प्रेस वार्ता शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत समेत महागठबंधन के सभी वरिष्ठ नेता होटल पहुंचे। तेजस्वी यादव सबसे पहले अशोक गहलोत के कमरे में गए। बंद कमरे में बातचीत हुई। इसके बाद दोनों नेता महागठबंधन के घटक दलों के प्रमुख नेताओं के साथ प्रेस वार्ता में पहुंचे।

दिल्ली- एनसीआर में हवा जहरीली

दिवाली के 3 दिन बाद एक्यूआई 400 के पार

नोएडा (चेतना मंच)। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है। जिसकी वजह से हवा की गुणवत्ता पर बहुत खराब असर पड़ा है। दीपावली के तीन दिन बाद एक्यूआई का स्तर 400 के पार पहुंच गया है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता का रेड जोन में होना एक गंभीर चेतावनी है। पीएम 2.5 के बढ़ते स्तर ने चिंता बढ़ा दी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आकंड़ों के मुताबिक, दिल्ली के आनंद विहार में गुरुवार सुबह एक्यूआई 428 दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 'गंभीर' श्रेणी में आता है, जो वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर को दर्शाता है। अक्षरधाम के आसपास 350, इंडिया गेट और इसके आसपास के इलाकों में 353, एम्स में 342 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक्यूआई का स्तर

गुरुवार सुबह गाजियाबाद में 175, नोएडा में 193 और ग्रेटर नोएडा में 183 एक्यूआई दर्ज किया गया है। बीते बुधवार को ग्रेटर नोएडा का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 308 दर्ज हुआ। ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 292 दिन पहले रेड जोन में रहा था। वहीं बुधवार को नोएडा का एक्यूआई भी 24 घंटे में 10 अंक बढ़कर 330 पहुंच गया है। दोनों शहरों में पूरे दिन स्मॉग छाया रहा।

सेक्टर-55 में भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की

नोएडा (चेतना मंच)। आज भाई दूज के दिन सेक्टर-55 स्थित शिव शक्ति मंदिर में यमद्वितीय पूजन के साथ यहां पर स्थापित भगवान चित्रगुप्त महाराज का सैकड़ो लोगों ने विधि विधान के साथ पूजन किया। इस दौरान सैकड़ों चित्रांशों ने कलम तथा दावात की पूजा भी की तथा उसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया।

श्री चित्रगुप्त सभा ट्रस्ट द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मन्दिर के पुजारी पंडित राम नारायण मिश्र ने विधिपूर्वक हवन तथा पूजन करके भगवान चित्रगुप्त की पूजा की। इस दौरान भगवान चित्रगुप्त का कीर्तनों के जरिए गुणगान भी किया गया।

इस अवसर पर विक्रम श्रीवास्तव, राजन श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, डीके श्रीवास्तव, श्रीमती वीना जरूहर, विक्रम श्रीवास्तव समेत सैकड़ों चित्रांश परिवार मौजूद थे।

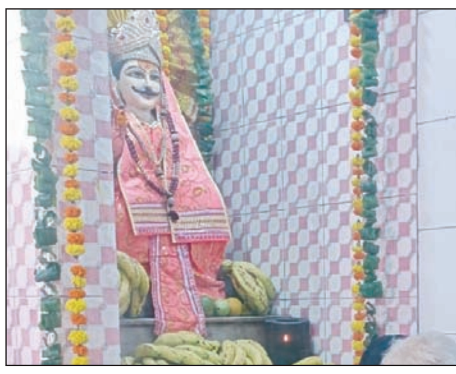

प्रेमानंद महाराज को दें भारत रत्न : पं. रविकांत मिश्रा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा ब्रज क्षेत्र में चुनाव के लिए दो माह से लगातार जनसंपर्क कर रहे पंडित रविकांत मिश्रा ने भारत सरकार से मांग की है कि परम पूज्य गुरु प्रेमानंद महाराज को भारत रत्न से अलंकृत किया जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस संबंध में उन्होंने पत्र भी लिखा है। लिखे गए पत्र में उन्होंने मांग की है कि सनातन धर्म के प्रणेता के रूप में सभी लोगों के बीच आपसी भाईचारा

तथा प्रेम का संदेश देने वाले परम पूज्य गुरु प्रेमानंद महाराज को करोड़ों लोगों की आस्था को देखते हुए भारत रत्न पुरस्कार से अलंकृत किया जाए।

मालूम हो कि भाजपा के शीर्ष नेताओं के आश्वासन के बाद से पंडित रविकांत मिश्रा पिछले कई महीने से ब्रज क्षेत्र में लगातार डेरा डाले हुए हैं

तथा गांव तथा हर मोहल्ले में लगातार जनसंपर्क अभियान कर रहे हैं। उन्हें हर वर्ग का पूरा समर्थन प्राप्त हो रहा है। वहां ब्रिज के लोगों तथा लोगों की आशा को देखते हुए पंडित रविकांत मिश्रा ने सरकार से मांग उठाई है कि महाराज प्रेमानंद महाराज को भारत रत्न पुरस्कार दिया जाए।

भैया दूज पर जाने से रोका तो पत्नी ने बेटे संग पी लिया जहर

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में भैया दूज बड़ी ही दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां मायके जाने को लेकर हुए झगडे के बाद भैया दूज पर मायके जाने से पति के मना करने पर पत्नी आरती ने अपने 9 वर्षीय बेटे प्रतीक को कीटनाशक पिला दिया और फिर खुद भी पी लिया, जिससे दोनों की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बंडा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गंगा गांव निवासी पंकज और आरती के बीच भैया दूज पर मायके जाने की जिद को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी बात से नाराज होकर आरती ने यह खौफनाक कदम उठा लिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा के हर घर में शनिवार से पहुंच जाएगा गंगा जल

नोएडा (चेतना मंच)। 1 अक्टूबर से बंद चल रही गंगाजल की आपूर्ति अब शनिवार को शुरू हो जाएगी। वैसे गंग नहर से बुधवार को ही प्रताप विहार गंगा जल शोधन संयंत्र पर पानी छोड़ दिया गया है जो आज नोएडा पहुंच जाएगा। बताते चलें कि गंग नहर की सफाई के चलते दशहरे के दिन से गंगाजल की सप्लाई को बंद कर दिया गया था। इससे नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी जिससे पानी का संकट पैदा हो गया था। नोएडा में 100 क्यूसेक यानि 240 एमएलडी-मिलियन लीटर प्रति दिन- गंगाजल की सप्लाई होती है जबकि नोएडा में पानी की मांग 450 एमएलडी से अधिक है। अधिकारियों ने बताया कि 240 एमएलडी गंगाजल के अलावा बाकी पानी की मांग 110 एमएलडी नलकूप और 100 एमएलडी रैनीवेल के जरिए पूरी की जाती है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

नोएडा प्राधिकरण ने 18 स्थानों पर बनाए छठ घाट, काम शुरू

नोएडा (चेतना मंच)।

छठ पूजा को लेकर नोएडा प्राधिकरण ने 18 जगह घाट बनवाने का निर्णय लिया है। इन जगह अस्थाई तालाब बनवाए जाएंगे। कल बुधवार से इन घाटों का निर्माण शुरू हो गया है।

नोएडा प्राधिकरण के उपमहाप्रबंधक सिविल विजय रावल ने बताया कि घाट तक पहुंचने के लिए सड़कों की साफ-सफाई से लेकर बिजली के सभी इंतजाम किए जाएंगे।

जलाशय बनाने के बाद पानी भरकर देखा जाएगा। घाटों को छठ से पहले पूरी तरह से तैयार कर इसमें पानी की समुचित व्यवस्था कर दी जाएगी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि सभी स्थानों पर सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था का काम कराया जा रहा है। छठ पूजा के दौरान यातायात नियंत्रण और पार्किंग की व्यवस्था के लिए भी पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय किया जाएगा। छठ घाट बनाए जाने की जिम्मेदारी संबंधित सभी वर्क सर्किल को दी गई है।

कहां-कहां बना रहे हैं छठ घाट

- स्टेट बैंक के पीछे, सेक्टर-2 पार्क
- सेक्टर-21 ए, नोएडा स्टेडियम रामलीला मैदान
- सेक्टर-43 में भूखंड संख्या जीएच-1 के पास
- सेक्टर-45 में व्यावसायिक भूखंड निकट एनआरआई
- सेक्टर-47 में सी ब्लॉक
- सेक्टर-49 बरौला
- सेक्टर-51 होशियारपुर में डी ब्लॉक पार्क के पास
- सेक्टर-56 में जी ब्लॉक पार्क
- सेक्टर-62 रामलीला मैदान के पास
- सेक्टर-63 में ए ब्लॉक
- सेक्टर-110 कम्युनिटी सेंटर के सामने
- सेक्टर-105 में व्यावसायिक भूखंड-2 पेट्रोल पंप के पास
- सेक्टर-135 में 45 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे व्यावसायिक भूखंड पर
- सेक्टर-129 में विद्युत उपकेंद्र के पास
- व्यावसायिक भूखंड के निकट पेट्रोल पम्प, सेक्टर-71
- सेक्टर-116 के सामने मास्टर ग्रीन बेल्ट में
- सेक्टर-120 के मास्टर ग्रीन बेल्ट में
- सेक्टर-122 के कम्युनिटी सेंटर के सामने

जहरीली हवा

यह शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में हो रही है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पौने चार सौ के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाना कई इंजनों वाली सरकारों और समाज की सामूहिक विफलता को ही दर्शाता है। बताते हैं कि दिल्ली की आबोहवा पिछले पांच सालों के सबसे खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। मजबूरी की स्थिति में दिल्ली सरकार को ग्रैप-2 की सख्त नीतियां लागू करनी पड़ी हैं। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है। बहरहाल, कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इस संकट का कितना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा होगा। देश में लाखों लोग श्वास संबंधी रोगों के कारण जीवन गंवा रहे हैं। सवाल यह है कि इस संकट को दूर करने के लिए, जो ग्रैप-2 सिस्टम लागू किया जाता है, क्या उसे इस संकट के हर साल आने की स्थिति को देखते हुए पहले से नहीं लागू किया जा सकता? धूल को उड़ने से रोकने और हवा में प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव क्या शेष महीनों में नहीं किया जाता? अब ट्रैफिक को नियंत्रित करने की बात की जा रही है ताकि सिग्नल पर गाड़ियां ज्यादा देर खड़ी न हों, जिससे प्रदूषण अधिक नहीं हो। आखिर क्यों हम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त नहीं करते ताकि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या को कम किया जा सके? कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रिक वाहन भी प्रदूषण की दृष्टि से निरापद नहीं हैं। सीएनजी गाड़ियों को प्रोत्साहन को लेकर भी बड़े नीतिगत सुधार नहीं किए जा सके हैं। इसके बावजूद, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि जब सखियों ने सीताजी को परवश (प्रेम के वश) देखा, तब सब भयभीत होकर कहने लगीं- बड़ी देर हो गई। (अब चलना चाहिए)। कल इसी समय फिर आएँगी, ऐसा कहकर एक सखी मन में हँसी॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

गूढ़ गिरा सुनि सिय सकुचानी। भयउ बिलंबु मातु भय मानी॥
धरि बड़ि धीर रामु उर आने। फिरी अपनपउ पितुबस जाने॥

सखी की यह रहस्यभरी वाणी सुनकर सीताजी सकुचा गईं। देर हो गई जान उन्हें माता का भय लगा। बहुत धीरज धरकर वे श्री रामचन्द्रजी को हृदय में ले आईं और (उनका ध्यान करती हुई) अपने को पिता के अधीन जानकर लौट चलीं॥

दो0-देखन मिस मृग बिहग तरु फिरइ बहोरि बहोरि।
निरखि निरखि रघुबीर छबि बाढ़इ प्रीति न थोरि॥

मृग, पक्षी और वृक्षों को देखने के बहाने सीताजी बार-बार घूम जाती हैं और श्री रामजी की छबि देख-देखकर उनका प्रेम कम नहीं बढ़ रहा है। (अर्थात बहुत ही बढ़ता जाता है)॥

जानि कठिन सिवचाप बिसूरति। चली राखि उर स्यामल मूरति॥
प्रभु जब जात जानकी जानी। सुख सनेह सोभा गुन खानी॥

शिवजी के धनुष को कठोर जानकर वे विसूरती (मन में विलाप करती) हुई हृदय में श्री रामजी की साँवली मूर्ति को रखकर चलीं। (शिवजी के धनुष की कठोरता का स्मरण आने से उन्हें चिंता होती थी कि ये सुकुमार रघुनाथजी उसे कैसे तोड़ेंगे, पिता के प्रण की स्मृति से उनके हृदय में क्षोभ था ही, इसलिए मन में विलाप करने लगीं। प्रेमवश ऐश्वर्य की विस्मृति हो जाने से ही ऐसा हुआ, फिर भगवान के बल का स्मरण आते ही वे हर्षित हो गईं और साँवली छबि को हृदय में धारण करके चलीं।) प्रभु श्री रामजी ने जब सुख, स्नेह, शोभा और गुणों की खान श्री जानकीजी को जाती हुई जाना,॥

(क्रमशः..)

ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्रायः घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो। वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।''

गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई है; अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं।

देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैं— पहला, यह कि वह आश्वासन का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, काफी कम तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों।

> ***ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा।***

दूसरी ओर, भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता।

वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में सुपर डीलमेकर की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को एक बड़ी डील के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर अमेरिका फर्स्ट नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम है— क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है।

उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैं— क्वॉड, इंडो-पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार ऐसे फर्ज़ी या अधूरे दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय अब तक ट्रंप के बयानों पर नो कमेंट नीति अपनाता आया है, किंतु इससे यह जोखिम रहता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिकी दावा धीरे-धीरे स्वीकार्य धारणा बन सकता है। इसीलिए, भारत को स्पष्ट रूप से यह संकेत देना चाहिए कि ऊर्जा नीति या रूस से व्यापार जैसे निर्णय किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं लिए जाते।

अब सवाल उठता है कि क्या ट्रंप के ऐसे भ्रामक दावों के बीच मोदी का उनसे मिलना ठीक रहेगा? हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की संभावित भेंट अगले सप्ताह मलेशिया में होने वाले आसियान सम्मेलन के दौरान हो सकती है। यह बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं है, किंतु अगर होती है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मोदी को ऐसे नेता से मिलना चाहिए जो हर बार बातचीत को घरेलू प्रचार का हथियार बना देता है?

देखा जाये तो कूटनीति में संबंध बनाए रखना और गरिमा बचाए रखना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। भारत अमेरिका से संबंध तोड़ नहीं सकता— लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि वह किसी भी मंच पर अपनी नीति को सहभागी की तरह प्रस्तुत करे, उपसंहारक की तरह नहीं। मोदी सरकार को इस भेंट को औपचारिक संवाद के स्तर तक सीमित रखना चाहिए और किसी भी संयुक्त बयान में ऐसे शब्दों से बचना चाहिए जिन्हें ट्रंप बाद में अपने राजनीतिक लाभ के लिए तोड़-मरोड़ सकें।

इसमें कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप की शैली त्वरित, आत्म-केन्द्रित और प्रचारमुखी है। वह हर वार्ता को शो में बदल देते हैं। भारत जैसे परिपक्व लोकतंत्र के लिए ऐसे प्रदर्शनों में भागीदार बनना न तो आवश्यक है, न लाभकारी। भारत को अपने हित में, अपने स्वर में और अपने तथ्यों के आधार पर बोलना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति के दीपावली डिप्लोमेसी में शामिल होना तो ठीक है, पर उनके फर्जी तेल-सत्य के खेल में नहीं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी शक्ति वही होती है जो अपने शब्दों पर टिकी रह सके और भारत को यही दिखाना होगा कि उसकी नीतियाँ किसी ट्रंप टेलीफोन कॉल से नहीं, बल्कि उसकी अपनी ऊर्जा, रणनीति और आत्मविश्वास से संचालित होती हैं।

-नीरज कुमार दुबे

शिक्षा व राजनीति का लिव इन रिलेशन

स्कूल शिक्षा हो या फिर उच्च शिक्षा, राजनीति का इन पवित्र क्षेत्रों में दखल बिल्कुल भी रुका नहीं है। बड़ी शैक्षणिक नियुक्तियों का आधार चुने जाने वाले व्यक्तियों की राजनीतिक संबद्धता और राजनीतिक फायदा ही है। इससे शिक्षा और शैक्षणिक प्रशासन की गुणवत्ता पर कोई अच्छा असर नहीं पड़ रहा है। और तो और, इन बिंदुओं पर आवाज उठाने वाले को चारों खाने चित होना पड़ता है। आइए शिक्षा और राजनीति के लिव इन रिश्ते को खंगालें। शिक्षा और राजनीति का गहरा संबंध होता है। शिक्षा और राजनीति, दोनों ही समाज के महत्वपूर्ण पहलू हैं। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान और कौशल प्रदान करती है, जबकि राजनीति, समाज का नेतृत्व करती है। दोनों एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। शिक्षा के संबंध में राजनीति और राजनीतिकरण के बीच अंतर है। कोई भी राजनीति से अछूता नहीं रह सकता और कोई भी संस्था चाहे वह शैक्षणिक हो या सामाजिक या सांस्कृतिक, राजनीति से अलग नहीं हो सकती। स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय कहां स्थापित होगा एवं किस संस्था को आर्थिक सहायता मिलेगी आदि शिक्षा राजनीति है। शैक्षणिक संस्थानों में सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के सभी स्तरों पर काम में सत्ता के खेल को समझने के लिए छात्रों और शिक्षकों में राजनीतिक जागरूकता आवश्यक है। भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है। इसे राजनीतिक लाभ के लिए शिक्षा में हेरफेर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

यह कई रूप ले सकता है, जिसमें किसी विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने, असहमति को शांत करने या शैक्षणिक संस्थानों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए शिक्षा का उपयोग शामिल है। भारत में शिक्षा का राजनीतिकरण भाषा के मुद्दे के माध्यम से किया गया है। देश विभिन्न प्रकार की भाषाओं का घर है और इस बात पर लंबे समय से बहस चल रही है कि स्कूलों में शिक्षा का माध्यम कौनसी भाषा होनी चाहिए। कुछ समूहों ने तर्क दिया है कि राष्ट्र भाषा हिंदी शिक्षा का एकमात्र माध्यम होनी चाहिए, जबकि अन्य ने तर्क दिया है कि क्षेत्रीय भाषाओं को समान दर्जा दिया जाना चाहिए। यह बहस भी गरमा गई है और इसका राजनीतिकरण भी हुआ है और इसका भारत में शिक्षा प्रणाली पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। इन दो प्रमुख मुद्दों के अलावा, भारत में कई अन्य कारकों, जैसे जाति व्यवस्था, समाज में महिलाओं की भूमिका और देश के आर्थिक विकास के माध्यम से भी शिक्षा का राजनीतिकरण किया गया है। राजनीतिकरण का तात्पर्य संस्थानों के मामलों में राजनीतिक विचारधाराओं के हस्तक्षेप से है, विशेषकर सत्तारूढ़ और प्रमुख राजनीतिक शक्ति द्वारा। इस तरह के किसी भी हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप शासन, पाठ्यक्रम डिजाइन आदि जैसे संस्थानों के मामलों पर एक विशेष राजनीतिक स्थिति को जबरदस्ती थोप दिया जाता है। इसलिए राजनीतिकरण के परिणामस्वरूप विनम्र, गैर-आलोचनात्मक छात्र पैदा होंगे जो पीड़ित होने के डर से शक्तिशाली विचारधाराओं पर सवाल नहीं उठा सकते हैं। शिक्षा का राजनीतिकरण शासक वर्ग के हाथों में संस्थागत मशीनरी के माध्यम से लोगों पर अपने विचार थोपने का एक उपकरण रहा है। चाहे वह पाठ्य पुस्तक संशोधन हो या वित्त पोषण से संबंधित मामले, शिक्षा का राजनीतिकरण शैक्षिक प्रथाओं के समग्र स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। राजनीति का शिक्षा पर प्रभाव पड़ता है। सरकारें अक्सर पाठ्यक्रम में बदलाव करके अपने राजनीतिक विचारों को प्रचारित करती हैं। सरकारें शिक्षण संस्थानों पर नियंत्रण करके कुलपतियों, शिक्षकों की नियुक्ति और शोध के विषयों को प्रभावित करती हैं। सरकारें शिक्षण संस्थानों को फंडिंग देकर उनके कामकाज को प्रभावित करती हैं।

राजनीतिक दल अक्सर छात्र संगठनों को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। शिक्षा का भी राजनीति पर प्रभाव पड़ता है। शिक्षित मतदाता अधिक जागरूक होते हैं और वे अपने मतदान का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करते हैं। शिक्षित लोग अक्सर अच्छे नेता बनते हैं। शिक्षा समाज में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा का राजनीतिकरण तब होता है जब शिक्षा को राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह शिक्षा की गुणवत्ता को कम करता है और छात्रों को राजनीतिक मतभेदों में फंसा देता है। शिक्षा के राजनीतिकरण के परिणाम के कारण शैक्षणिक स्वतंत्रता में कमी हो जाती है। शिक्षक और छात्र अपने विचार स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में हिचकिचाते हैं। शिक्षा का ध्यान गुणवत्ता से हटकर राजनीतिक एजेंडे पर केंद्रित हो जाता है। छात्र राजनीतिक दलों के साथ जुड़ जाते हैं और एक-दूसरे के खिलाफ हो जाते हैं। शिक्षा और राजनीति के बीच एक संतुलन बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा में राजनीति का बढ़ता दखल एक बहस का विषय है। कुछ लोग इसे सकारात्मक मानते हैं, जबकि कुछ इसे नकारात्मक मानते हैं। कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप शिक्षा के प्रबंधन में सहायक हो सकता है। उचित राजनीतिक नेतृत्व के माध्यम से, सरकार शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार कर सकती है, जैसे कि नई शिक्षा नीति 2020 इत्यादि। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि राजनीति का हस्तक्षेप उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता को खतरे में डालता है। महत्वपूर्ण है कि हम सही संतुलन को प्राप्त करें, जहां सरकारी प्रबंधन और समर्थन महत्वपूर्ण हो, परंतु संस्थाओं को समुचित स्वतंत्रता मिले। शिक्षा और राजनीति के बीच एक जोडने वाला सेतु है। शिक्षा ज्ञान का सबसे निकटतम सहयोगी हो सकता है। शिक्षा की प्राथमिक भूमिका एक छात्र के पढने, समझ और समझ में सुधार के माध्यम से शिक्षित करना ही है।

कभी पेड़ों के नीचे जमीन पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते छात्र, कभी तख्ती पर इमला लिखते छात्र और कभी अपने हाथों पर अध्यापकों से डंडे खाते छात्र, शिक्षा की पवित्रता, गुणवत्ता और महत्ता को दर्शाते थे।

डा. वरिंद्र भाटिया, कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, द्वितीया | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वयं के स्वास्थ्य और जीवनसाथी स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी की स्थिति थोड़ी मध्यम है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
परेशानी भरा दिन रहेगा हर मामले में। जीत आपकी होगी। शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
मानसिक तौर पर उहापोह से गुजरेंगे। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दीजिए। विद्यार्थी लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
घरेलू सुख बाधित होगा। गृहकलह के बड़े संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पराक्रम रंग लाएगा। लेकिन अति उत्साही होकर किसी काम की शुरुआत अभी न करें। प्रेम, संतान ठीक है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन हानि के संकेत हैं। इसलिए निवेश अभी वर्जित रहेगा। जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
घबराहट, बेचैनी, मानसिक परेशानी व शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। हालांकि कोई बड़ी परेशानी नहीं है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
नेत्र पीड़ा, सिर दर्द, अज्ञात भय बना रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। भ्रामक समाचार की प्राप्ति संभव है। यात्रा कष्टप्रद होगा, लेकिन लाभकारी होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
कोर्ट-कचहरी से बचें। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा लेकिन नुकसान नहीं होगा। प्रेम, संतान अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
यात्रा परेशान करने वाली होगी। धर्म-कर्म में अतिवादी न बनें। भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं।

दीपावली मिलन समारोह आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति, ग्रेटर नोएडा द्वारा दीपावली मिलन एवं गोवर्धन पूजा का कार्यक्रम विधिवत रूप से स्वर्ण नगरी स्थित श्री महाराजा अग्रसेन भवन में संपन्न हुआ।

समिति की ओर से 20 फुट ऊँची गोवर्धन महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई, जिसे देखकर उपस्थित लोगों में उत्साह और श्रद्धा का भाव देखने को मिला। समिति के अध्यक्ष सौरभ बंसल ने बताया कि समिति कई वर्षों से महाराज गोवर्धन का विराट स्वरूप बनाकर समाज के सभी लोग एकजुट होकर सामूहिक रूप से पूजा करते हैं। इसी परंपरा के तहत इस वर्ष भी भव्य पूजा का आयोजन किया गया।

पूजा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें भगवान श्री राम और भगवान श्री कृष्ण के भजनों पर केरल का विशेष नृत्य 'कथकली' की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य और अग्र बंधु मनोज गर्ग, ओम प्रकाश अग्रवाल, नवीन जिंदल, सर्वेश अग्रवाल, अरुण गुप्ता, राजेश गुप्ता, अमित गोयल, कपिल गुप्ता, रवि गर्ग, लक्ष्मण सिंघल, योगेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, गिरीश जिंदल, अनिल गुप्ता, मुकुल गोयल, अनिल गोयल और अमित सिंगला सहित अन्य अग्र बंधु उपस्थित रहे।

सेक्टर-75 में छठ महापर्व की तैयारी जोरों पर

नोएडा (चेतना मंच)। छठ महापर्व की तैयारी तेजी के साथ शुरू हो गई है छठ पर्व पर 25 अक्टूबर से प्रारंभ होगा। इसी कड़ी में सेक्टर 75 के गोल्फ न्यू पार्क में महापर्व की तैयारी को लेकर घाट को बनवाने एवं रखरखाव को लेकर छठ पूजा समिति ने तेज कर दी है। इस मौके पर ओ0पी0 तिवारी, अमरेश श्रीवास्तव सहित कई लोग घाट को बनवाने को लेकर दिनरात मेहनत कर रहे हैं।

मुंबई की हाईराइज बिल्डिंग में भयंकर आग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में स्थित JMS Business Centre में आज सुबह भीषण आग लग गई। घटना की जानकारी आज सुबह 10:51 मिनट पर मुंबई फायर ब्रिगेड और बीएमसी को मिली। फायर ब्रिगेड ने इसे लेवल-2 की इमरजेंसी घोषित कर दिया। इसी के साथ टीमों ने मौके पर पहुंचकर तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। आग की सूचना मिलने के तुरंत बाद BMC की MFB टीम, पुलिस, 108 एम्बुलेंस, PWD, बीएमसी वार्ड स्टाफ और संबंधित विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारी मौके पर पहुंचे हैं। आग की घटना सिविल रोड, बेहरामपाड़ा, गांधी स्कूल के पास जेएमएस बिजनेस सेंटर में लगी, जो एक हाई-राइज बिल्डिंग है। अभी तक किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है. बीएमसी के अधिकारियों ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए सभी जरूरी संसाधन और फायर टेंडर मौके पर मौजूद हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। धुएं और आग की तेज लपटों को देख इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को खाली कराते हुए सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए तैनाती की। फायर ब्रिगेड अधिकारी मौके पर स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भैया दूज व चित्रगुप्त जयन्ती पर दी बधाई

लखनऊ (एजेंसी)। चित्रगुप्त जयंती एवं भाई दूज के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई शुभकामनाएँ दी हैं।

अपने शुभकामना संदेश में श्री मौर्य ने कहा है कि चित्रगुप्त जयंती का यह पावन पर्व ज्ञान, बुद्धि और कर्म के संतुलन का प्रतीक है। इस दिन पूजा कर हम संकल्प लें कि अपने कर्मों से समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि भाई दूज का पर्व भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और एकता का प्रतीक है। यह त्यौहार हमारे परिवार और समाज में प्रेम, सौहार्द और एकजुटता का संदेश देता है। कामना की कि यह पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल लेकर आए।

उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इन पावन पर्वों को आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक सद्भाव के साथ मनाएँ तथा प्रदेश की प्रगति में अपना योगदान दें।

भाजपा नेता का पितृशोक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष संदीप भाटी (सत्या) के पिता सतपाल प्रधान का गतदिवस को निधन हो गया। मकोड़ा गांव निवासी सतपाल प्रधान सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे। भाजपा नेता संदीप भाटी मूल रूप से मकोड़ा गांव के निवासी हैं। उनके पिता के निधन की खबर मिलते ही स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया।

पृष्ठ एक के शेष....

नोएडा, नोएडा के हर घर...

नोएडा में गंगाजल गाजियाबाद के प्रताप और सिद्धार्थ विहार सहित दो प्लांट से 80 और 20 क्यूसेक के रूप में आता है। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार शाम तक गाजियाबाद प्लांट पर पानी आ गया है । इसके बाद गुरुवार यानि आज से नोएडा में पानी पहुंच जाएगा। यहां दो दिन तक पानी स्टोर किया जाएगा। वैसे आज से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में गंगाजल की आपूर्ति करनी शुरू कर दी जाएगी लेकिन पूरी तरह से शनिवार से पानी दिया जाना शुरू हो जाएगा।

भैया दूज पर जाने से...

कीटनाशक पीने के बाद परिजन आनन-फानन में दोनों को बंडा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए, लेकिन इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी ग्रामीण, दीक्षा भवरे ने बताया कि बंडा थाना में नारायणपुर गंगा गांव में आरती और उनके बेटे प्रतीक की जहर की वजह से मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने संज्ञान लिया तो पता चला कि रात में जहर खाने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और आज उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

दिल्ली से पटना जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट वापस लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से पटना जाने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट को गुरुवार को टेक ऑफ़ करने के तुरंत बाद दिल्ली वापस लौटना पड़ा। एयरलाइन कंपनी के अनुसार, क्रू को कुछ तकनीकी खराबी का शक हुआ, जिसके बाद ये फैसला लिया गया।

एयरलाइन कंपनी ने बताया कि बोइंग 737-8 एयरक्राफ्ट को डिटेल्ड इंस्पेक्शन के लिए ग्राउंडेड कर दिया गया है। दिल्ली के इंदिरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान की जांच चल रही है। एयरलाइन ने यात्रियों की हुई असुविधा को देखते हुए कंपनी दूसरी फ्लाइट से पटना भेजने का इंतजाम किया जा रहा है।

दिल्ली में यमुना किनारे बनाए जा रहे 17 मॉडल छठ घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, पूर्व की सरकार ने यमुना घाट पर छठ पूजा करने पर रोक लगा दी थी। भाजपा की सरकार ने इस प्रतिबंध को हटा दिया है। पल्ला से लेकर कालिंदी कुंज तक यमुना किनारे 17 स्थानों पर 500 मीटर से लेकर डेढ किलोमीटर तक माडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं।

वर्ष 2021 में तत्कालीन सरकार ने यमुना में छठ पूजा पर रोक लगाने के बाद इसका उल्लंघन करने के आरोप में श्रद्धालुओं पर एफआइआर दर्ज कराई थी। इस तरह के सभी एफआइआर वापस लिए जाएंगे।

प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा, शहर के अंदर होने वाले छठ पूजा स्थलों में भी वृद्धि की जा रही है। पिछली बार 929 स्थानों पर छठ पूजा के लिए अस्थायी घाट बनाए गए थे। इस बार एक हजार से अधिक स्थानों के लिए आवेदन आ चुके हैं। इन सभी स्थानों पर दिल्ली सरकार द्वारा टेंट, स्वच्छता, जल, बिजली की व्यवस्था होगी। प्रत्येक जिले व उपजिले में एक माडल छठ घाट बनेगा। वहां स्वागत द्वार बनाकर श्रद्धालुओं पर पुष्पा वर्षा की जाएगी।

200 से अधिक स्थानों पर भोजपुरी व मैथिली भाषा में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। छठ व्रतियों के लिए सुबह चाय व पानी की व्यवस्था होगी। छठ घाटों पर मेडिकल टीम व एंबुलेंस की व्यवस्था की जा रही है। सरकार का प्रयास है कि श्रद्धालु स्वच्छ जल में खड़े होकर सूर्य भगवान को अर्घ्य दें।

दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद छठ घाटों पर जाकर स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। इस बार दिल्ली सरकार द्वारा भव्य तरीके से दीपावली मनाई गई। छठ पूजा भी दिव्य होगी।

बुधवार सुबह मुख्यमंत्री व दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने छठ पूजा की तैयारी को लेकर मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, पार्षदों व प्रदेश भाजपा के पदाधिकारियों व जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्हें अपने क्षेत्र में छठ पूजा की तैयारी का निरीक्षण करने को कहा गया। मुख्यमंत्री ने सुरघाट पर चल रही तैयारी का निरीक्षण किया।

भगेरिया इंडस्ट्रीज़ का शुद्ध लाभ एच1 एफवाय26 में 83 प्रतिशत उछला

मुंबई, एजेंसी। भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड , जो रंग, इंटरमीडिएट्स, विशेष रसायन और सौर ऊर्जा उत्पादन में संलग्न एक विविधीकृत रसायन निर्माता है और घरेलू तथा निर्यात बाजारों को सेवा प्रदान करता है, ने अपने अनऑडिटेड क्यू2 और एच1 एफवाय26 के परिणामों की घोषणा की है।

भगेरिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष श्री सुरेश भगेरिया ने कहा: हमें क्यू2 और एच1 एफवाय26 में मजबूत प्रदर्शन की रिपोर्ट देते हुए खुशी हो रही है, जो परिचालन दक्षता और बेहतर उत्पाद मिश्रण द्वारा प्रेरित राजस्व और लाभप्रदता में स्वस्थ वृद्धि से चिन्हित है। एच-अम्ल की क्षमता विस्तार और प्लास्टिसाइजर और एथॉक्सिलेट्स के लॉन्च महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम हैं जो आने वाली तिमाहियों में सार्थक योगदान देना शुरू करेंगे। पुनः पुष्टि किए गए क्रेडिट रेटिंग, मजबूत बैलेंस शीट, और स्थिर मांग दृष्टिकोण के साथ, हम अपनी वृद्धि की गति बनाए रखने और निरंतर प्रदर्शन प्रदान करने के प्रति आश्वस्त हैं।

क्यू2 एफवाय26 प्रमुख समेकित वित्तीय मुख्य बिंदु - कुल आय 206.02 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 55.59 प्रतिशत , ई बी आई टी डी ए 24.74 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 46.58 प्रतिशत , शुद्ध लाभ 11.47 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 79.68 प्रतिशत , शुद्ध लाभ मार्जिन 5.57 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष 75 बेसिस पॉइंट्स की वृद्धि , प्रति शेयर आय 2.70, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 80 प्रतिशत।

एच1 एफवाय26 प्रमुख समेकित वित्तीय मुख्य बिंदु- कुल आय 369.99 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 48.24 प्रतिशत , ई बी आई टी डी ए 48.91 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 47.72 प्रतिशत , शुद्ध लाभ 22.36 करोड़, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 83.28 प्रतिशत , शुद्ध लाभ मार्जिन 6.04 प्रतिशत, वर्ष-दर-वर्ष 116 बेसिस पॉइंट्स की वृद्धि . प्रति शेयर आय 5.28, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि 84.62 प्रतिशत।

पाटिल ऑटोमेशन को 10.82 करोड़ की ऑनसाइट असेंबली लाइन स्थापना ऑर्डर मिली

पुणे। पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड जो ऑटोमोटिव और नॉन-ऑटोमोटिव दोनों क्षेत्रों के लिए व्यापक औद्योगिक ऑटोमेशन समाधान प्रदान करता है, ने एक भारतीय कॉर्पोरेट ग्राहक से 10.82 करोड़ (सभी करों और शुल्क सहित) का ऑनसाइट असेंबली लाइन इंस्टॉलेशन प्रोजेक्ट के लिए परचेज ऑर्डर प्राप्त होने की घोषणा की है।

इस परियोजना में फ्रंट एक्सल ट्यूब ओवरहेड स्ट्रक्चर के साथ एक्सवाय रेल स्ट्रक्चर, योक प्रेसिंग टू गेज और वेल्डिंग सेल का डिज़ाइन, विकास, निर्माण, फैब्रिकेशन और इंस्टॉलेशन शामिल है, जिसे 15 फरवरी 2026 तक पूरा किए जाने की उम्मीद है।

यह नवीनतम ऑर्डर कंपनी की टर्नकी प्रोजेक्ट्स की बढ़ती पाइपलाइन में इजाफा करती है, जिससे यह कस्टमाइज़्ड ऑटोमेशन सिस्टम्स के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करती है – जो सटीकता, उत्पादकता और स्केलेबल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देते हैं।

इस ऑर्डर के साथ, पाटिल ऑटोमेशन की सक्रिय ऑर्डर बुक अब 140 करोड़ से अधिक हो गई है, जो कंपनी की मजबूत विकास गति और विभिन्न उद्योगों में ओइएमएस तथा टियर-ढ्ढ सप्लायर्स से बढ़ती मांग को दर्शाती है।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक, श्री मनोज पाटिल ने कहा, यह प्रोजेक्ट जीत हमारे डिज़ाइन और निष्पादन क्षमताओं पर ग्राहकों के विश्वास को दर्शाती है। हम लचीले और बुद्धिमान ऑटोमेशन समाधानों के माध्यम से ऑटोमोटिव क्षेत्र से परे अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रहे हैं, जो विविध विनिर्माण आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। हमारा ध्यान अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने, उद्योग विविधता बढ़ाने और अपनी तकनीकी बढ़त को सशक्त बनाने पर केंद्रित है ताकि उच्च मूल्य वाले इंजीनियरिंग समाधान प्रदान किए जा सकें।

सोने-चांदी का फूटा बुलबुला, एक झटके में सोना 3725 और चांदी 10549 सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी का बुलबुला फूट रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 12 साल की रिकॉर्ड गिरावट के बाद आज सोने-चांदी के भाव में भी बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। आज गोवर्धन पूजा के दिन चांदी जहां एक झटके में ही 10549 रुपये सस्ती हो गई है वहीं, सोने के भाव में 3725 रुपये की गिरावट है।

24 कैरेट सोने का भाव अब जीएसटी समेत 127624 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया है। जबकि, चांदी जीएसटी समेत 157076 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। बता दें मिंट के मुताबिक 22 अक्टूबर को चेन्नई में सोने के भाव 1,28,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थे। और चांदी 1,50,490/किग्रा के रेट से बिक रही थी।

सोने-चांदी में इतनी बड़ी गिरावट क्यों आई- कीमती धातुओं में गिरावट कई कारणों से आई। अमेरिका और चीन के बीच सकारात्मक व्यापार वार्ता, डॉलर की मजबूती, तकनीकी स्तरों का आवश्यकता से अधिक ऊंचा होना, निवेशकों की पोजीशन पर अनिश्चितता (शट डाउन होने के कारण रिपोर्ट का अभाव), और भारत में मौसमी मांग के खत्म होने का असर।

एएनजेड ग्रुप के विश्लेषकों ब्रायन मार्टिन और डैनियल हाइन्स का कहना है कि संभवतः इन पोजीशनों का स्तर बहुत ऊँचा हो गया था और यही बड़ी बिकवाली का कारण बना। हालांकि, वे यह भी जोड़ते हैं कि दीर्घकालीन सकारात्मक कारण अब भी मौजूद हैं जो कीमतों को समर्थन देते रहेंगे।

दूसरे बाजारों में, अमेरिकी सरकारी बॉन्ड में तेजी आई, जिससे 30-वर्षीय बॉन्ड की यील्ड अप्रैल की शुरुआत के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गई। अमेरिकी सरकार का शटडाउन अब रिकॉर्ड के हिसाब से दूसरा सबसे लंबा होने जा रहा है।

कैरेट के हिसाब से क्या गोल्ड के रेट

आइबीजेए के मुताबिक 20 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड बिना जीएसटी 127633 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी बिना जीएसटी 163050 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। आज सोना बिना जीएसटी 123907 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला और चांदी 152501 रुपये पर खुली। अब अक्टूबर में सोना 8558 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। जबकि, चांदी की कीमत में प्रति किलो 10067 रुपये का उछाल आया। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

कैरेट के हिसाब से गोल्ड के भाव

आज 23 कैरेट गोल्ड भी 3413 रुपये सस्ता होकर 123411 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 127113 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 2795 रुपये टूटकर 113499 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। जीएसटी संग यह 116903 रुपये है। 18 कैरेट गोल्ड 2795 रुपये की गिरावट के साथ 92930 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत 95717 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है।

सोना गिरवी रख कर लोन लेने वाले 5 महीने में तेजी से बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में सोने के आभूषणों को गिरवी रखकर लोन लेने वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि पांच महीने के अंदर गोल्ड लोन में करीब 97,079 हजार करोड़ रुपये की तेज लोन बढ़ोतरी हुई है। वहीं, सालाना आधार पर अगस्त माह में 117.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय उछाल आया है।

रिजर्व बैंक द्वारा जारी मासिक रिपोर्ट से पता चलता है कि बीते वर्ष अगस्त तक कुल 1,40,393 करोड़ का गोल्ड लोन बांटा गया था, जो इस साल अगस्त तक बढ़कर 3,05,814 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सालाना आधार पर इसमें 117.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, दूसरी श्रेणियों जैसे पर्सनल लोन, वाहन लोन, एजुकेशन लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, आवास लोन और एफडी के विरुद्ध लोन की वृद्धि दर सीमित रही है।

एक माह में 12 हजार करोड़ का लोन बांटा- रिपोर्ट के मुताबिक, लोग सोने की ज्वेलरी को गिरवी रखकर अपनी वित्तीय जरूरतें पूरी कर रहे हैं। इस वर्ष मार्च तक 2,08,735 करोड़ रुपये का गोल्ड लोन दिया गया, जो जुलाई तक बढ़कर 2,94,166 करोड़ रुपये हो गया। चार महीने के अंदर करीब 85 हजार करोड़ रुपये की लोन बढ़ोतरी देखी गई, जो अगस्त में भी जारी रही है। अगस्त में बढ़ोतरी 97,079 करोड़ पहुंच गई है।

सोने की दाम बढ़ने से अधिक लोन मिला

वॉयस ऑफ बैंकिंग के फाउंडर अश्विनी राणा कहते हैं कि सोने की बढ़ती कीमतों ने लोन लेने की प्रवृत्ति को और तेज किया है। सोने का भाव बढ़ने से गिरवी रखी ज्वेलरी के बदले अधिक राशि लोन के रूप में मिल रही है, जिससे आम लोग अपनी तत्काल आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए गोल्ड लोन की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बढ़ती महंगाई और वित्तीय अनिश्चितता के दौर में गोल्ड लोन आम लोगों के लिए आसान विकल्प बन गया है। बैंक बिना लंबी प्रक्रिया के तुरंत लोन जारी कर देते हैं, जिस कारण से सोने की ज्वेलरी को गिरवी रखकर लोन लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

15,000 लगाकर कमा डाले 74 करोड़... कर्ज में डूबे किसान के बेटे के हाथ ऐसा क्या लगा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के अमरेली जिले के कुलदीप सोरथिया ने सपने को हकीकत में बदलने का काम किया है। वह एक किसान परिवार से आते हैं। नौकरी छोड़कर सिर्फ 15,000 रुपये की पूंजी से उन्होंने अपना काम करने का फैसला कयिा। 2017 में कुलदीप ने केस्क्वायर एनर्जी की नींव रखी। यह एक सोलर स्टार्टअप है। इस कंपनी ने पिछले साल ही 74 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया। इसका लक्ष्य 2030 तक 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंचना है। इस वेंचर को खड़ा करने में कुलदीप को अपने भाई कल्पेश सोरथिया का भी भरपूर साथ मिला। यह वेंचर न सिर्फ शहरों में बिजली के बिलों की समस्या को हल कर रहा है। अलबत्ता, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत ग्रामीण भारत के घरों में भी सौर ऊर्जा क्रांति लाने के काम में जुटा है। आइए, यहां कुलदीप सोरथिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

नौकरी छोड़ शुरू किया अपना काम- कुलदीप सोरथिया का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। गुजरात के अमरेली जिले के एक किसान परिवार में जन्मे कुलदीप का बचपन 15-17 लाख रुपये के कर्ज और गरीबी में बीता। 2017 में जब कनाडा में मास्टर्स के लिए उनका एजुकेशन लोन खारिज हुआ तो वह पूरी तरह टूट गए। इसके खारिज होने की वजह यह थी कि उनके परिवार के पास कोई इनकम टैक्स रिटर्न नहीं था। लेकिन, इसी रिजेक्शन ने उन्हें एक नई राह दिखाई। 22,000 रुपये की क्रेडिट कार्ड बेचने की नौकरी छोड़कर कुलदीप ने सिर्फ 15,000 रुपये की शुरुआती पूंजी के साथ 150 वर्ग फीट के कमरे से अपने वेंचर की शुरुआत की। शुरुआती डेढ़ साल उन्होंने अकेले ही बिक्री, लॉजिस्टिक्स और अकाउंटिंग का काम संभाला। वह अक्सर 15-17 घंटे काम करते थे। लेकिन, देखते ही देखते यह कंपनी करोड़ों रुपये की हो गई।

अलग तरह का बिजनेस मॉडल - कुलदीप के वेंचर ने भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की ऊर्जा समस्याओं को हल करने के लिए दो मुख्य कार्यक्षेत्रों पर फोकस किया। पहला, क्र२ष्ट आवासीय रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स। इसके तहत वह पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी सरकारी योजनाओं के तहत एंड-टू-एंड इंस्टॉलेशन सेवाएं देते हैं। इससे ग्राहकों को जटिल सरकारी प्रक्रियाओं से मुक्ति मिलती है। दूसरा, बी2बी सोलर प्रोडक्ट सप्लाई, जहां वह पैनल, इन्वर्टर और केबल जैसे 70-80 से अधिक उत्पाद 23 राज्यों में 1,500 से ज्यादा क्लाइंट्स को सप्लाई करते हैं। इन दोनों वर्टिकल के साथ कंपनी ने 2024 में 74 करोड़ का रेवेन्यू कमाया। यह 2017-18 में कमाए गए 25 लाख रुपये के रेवेन्यू से कई गुना ज्यादा है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 208 प्रतिशत बढ़ा, 76 फीसदी रही इन पांच देशों की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जुलाई अवधि में सालाना आधार पर 208.57 फीसदी बढ़कर 10.8 अरब डॉलर पहुंच गया।एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 3.5 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के ताजा मासिक बुलेटिन के मुताबिक, सकल एफडीआई एक साल पहले से 33.2 फीसदी बढ़कर 37.7 अरब डॉलर पहुंच गया।

2024-25 की अप्रैल-जुलाईअवधि में 28.3 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। आरबीआई ने कहा, अप्रैल-जुलाई में सिंगापुर, अमेरिका, मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड एफडीआई के शीर्ष स्रोत रहे, जिनकी कुल निवेश में 76 फीसदी हिस्सेदारी थी। विनिर्माण, कंप्यूटर सेवाओं व्यावसायिक, संचार और वित्तीय सेवाओं के साथ निर्माण, बिजली उत्पादन में कुल 74 फीसदी एफडीआई आया।

अगस्त में 5.11 अरब डॉलर घट गया एफडीआई- जुलाई में चार साल के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद अगस्त में देश में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश घटकर 6 अरब डॉलर रह गया।यह जुलाई के 11.11 अरब डॉलर से 5.11 अरब डॉलर कम है।इस दौरान विदेशी कंपनियों की ओर से धन वापसी (रेपेट्रिएशन) 30 फीसदी बढ़कर 4.9 अरब डॉलर पहुंच गया।इससे शुद्ध एफडीआई 61.6 करोड़ डॉलर के आउटफ्लो (निकासी) में बदल गया।

विदेश यात्रा पर 1.6 अरब डॉलर का खर्च- बुलेटिन के मुताबिक, अगस्त में भारतीयों ने विदेश यात्रा पर 1.61 अरब डॉलर खर्च किए।यह जुलाई के 1.4 अरब डॉलर से ज्यादा है।

विदेश में शिक्षा पर खर्च मासिक आधार पर 39 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 31.9 करोड़ डॉलर हो गया।

विदेश में रहने वाले प्रवासी भारतीयों ने अगस्त में देश में 2.6 अरब डॉलर की रकम भेजी है।यह जुलाई की तुलना में 7.7 फीसदी अधिक रकम है।

क्लासिक लीजेंड्स अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ

जबलपुर। प्रामाणिक परफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइकिलों को फिर से स्टाइल में लाने वाली कंपनी क्लासिक लीजेंड्स ने ग्राहकों के लिए अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर शुरू किया है। इस ऑफर के तहत राइडर्स आज ही अपनी सपनों की मोटरसाइकिल घर ले जा सकते हैं और इसकी ईएमआई 2026 से ही शुरू कर सकते हैं। देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में से एक, एलएंडटी फाइनेंस के साथ साझेदारी में शुरू किए गए इस ऑफर की बदौलत ब्रांड अपनी क्लासिक मोटरसाइकिलों को खरीदना अधिक सुलभ बना रहा है, जो इसकी मोटरसाइकिलिंग को और अधिक आनंददायक बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। खरीदार अब आवश्यक डाउन पेमेंट देने के बाद अपने पसंदीदा जावा, येज़्दी या बीएसए मोटरसाइकिल की डिलीवरी ले सकते हैं। लोन दिए जाने की तिथि के बाद पहले दो महीनों के लिए सिर्फ अर्जित ब्याज का भुगतान करना होगा, कोई मूल ईएमआई नहीं देनी होगी। उदाहरण के लिए, अगर कोई लोन अक्तूबर 2025 में दिया जाता है, तो पहली नियमित ईएमआई जनवरी 2026 में शुरू होगी। कुल लोन अवधि 36 महीनों तक बढ़ सकती है, जिसमें ईएमआई अवकाश अवधि सहित 38 महीनों में पुनर्भुगतान पूरा हो सकता है। यह विशेष फेस्टिवल फाइनांसिंग स्कीम बीएसए गोल्ड स्टार 650 के लिए भी उपलब्ध है। यह एक प्रामाणिक ब्रिटिश मोटरसाइकिल है, जिसे अलग दिखने के लिए डिज़ाइन किया गया है और यह जीएसटी 2.0 से पहले की कीमत पर उपलब्ध है। क्लासिक लीजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ बिजनेस अफसर शरद अग्रवाल ने कहा, अधिकांश राइडर्स के लिए, हमारी मोटरसाइकिलों में से एक का मालिक होना उतना ही व्यावहारिक है जितना कि एक क्लासिक मोटरसाइकिल के लिए भावनात्मक आकर्षण। हमारा अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ ऑफर उत्सव के इस मौसम में खरीदारी को आसान और खास बनाता है। हमारे खरीदार बिना इंत?ार किए जावा, येज़्दी या बीएसए को अपनी ग्जिंदगी का हिस्सा बना सकते हैं, जबकि हमारा ऑफर 2026 तक ईएमआई भुगतान के दबाव को कम करता है।

देहात की आकर्षक स्कीम देहात ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च

गुरुग्राम/ बिहार। देश की सबसे बड़ी एग्रीटेक कंपनी देहात ने ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च कर दिया है। इस स्कीम के तहत कुल 2001 विजेता किसानों को देहात के रीसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी पर बोलेरो, ट्रैक्टर, बुलेट समेत कई आकर्षक उपहार दिये जाएंगे।

पिछले रबी सीजन के दौरान चलायी गयी इस स्कीम में देश भर के 1.5 लाख से अधिक किसानों ने भाग लिया था। जिसमें से 2,001 विजेता किसानों को विशेष इनामों से सम्मानित किया गया था। स्कीम का सबसे बड़ा इनाम भोपाल के जितेंद्र मीना (गब्बर) के नाम रहा, जिन्होंने महिंद्रा भूमिपुत्र ट्रैक्टर जीता। स्कीम दूसरा बड़ा इनाम मारुती ऑल्टो पटना के रहने वाले गोलू कुमार ने जीता था।

इस अवसर पर देहात के सह संस्थापक व सीओओ श्याम सुंदर सिंह ने कहा, पिछले सीजन जिस तरह किसानों ने देहात पर अपना विश्वास जताकर स्कीम में भाग लिया वह काबिले तारीफ है। हमने ग्रेट गेहूँ महोत्सव के विजेताओं को ट्रैक्टर व ऑल्टो कार जैसे इनाम दिए। हमें न केवल किसानों की ओर से बीज को लेकर अच्छा फीडबैक मिला बल्कि वे स्कीम को लेकर भी काफी उत्साहित दिखें।

बताते चलें कि, स्कीन में भाग लेना बेहद आसान है। किसानों को अपने नजदीकी देहात केंद्र से देहात के रिसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी करना है और अपना लकी कूपन प्राप्त कर स्कीम के लिए रजिस्टर करना है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अर्बन क्रूज़र हायराइडर एयरो एडिशन लॉन्च किया - एक्सक्लूसिव स्टाइलिंग पैकेज के साथ

बेंगलुरु, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम)ने आज अपनी लोकप्रिय एसयूवीअर्बन क्रूज़र हायराइडरका नयाएयरो एडिशनलॉन्च किया है।यह लिमिटेड एडिशन पैकेज हायराइडर को एक नया प्रीमियम और डायनैमिक लुक देता है। एयरो एडिशन का डिज़ाइन इसे सड़क पर और भी आकर्षक बनाता है, जिसमें दमदार लुक के साथ बारीक स्टाइलिंग का शानदार मेल है। यह एडिशन उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो अपने वाहन में स्टाइल, विशिष्टता और आधुनिक आराम का मेल चाहते हैं।

फ्रंट स्पॉइलर - नया फ्रंट स्पॉइलर हायराइडर के दमदार लुक को और निखारता है। यह एसयूवी को ज़्यादा शार्प और स्पोर्टी अपीयरेंस देता है, जिससे इसका रोड प्रेज़ेंस और भी प्रभावशाली बनता है।

रियर स्पॉइलर - नए डिज़ाइन वाला रियर स्पॉइलर गाड़ी को स्टाइल और परफॉर्मेंस, दोनों में बढ़त देता है। यह न सिर्फ इसकी स्पोर्टी अपील बढ़ाता है, बल्कि हवा में बेहतर पकड़ (एरोडायनेमिक एफिशिएंसी) भी सुनिश्चित करता है।

साइड स्कर्ट्स - नई साइड स्कर्ट्स गाड़ी के किनारों को सधी-संवरी और बहती हुई रेखाएँ देती हैं, जिससे इसका लुक और भी डायनेमिक और लो-स्लंग दिखाई देता है।

इससे हायराइडर का प्रीमियम और परफॉर्मेंस-प्रेरित अंदाज़ और उभरकर आता है।

एक्सक्लूसिव स्टाइलिंग पैकेज की एक्सेसरीज़ 31,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर उपलब्ध हैं, और इन्हें देशभर के सभीटोयोटा डीलरशिप्ससे खरीदा जा सकता है।

2022 में लॉन्च होने के बाद से, अर्बन क्रूज़र हायराइडर भारतीय एसयूवी ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई हैऔर हाल ही में इसने 1,68,000 यूनिट्स की बिक्री का नया रिकॉर्डहासिल किया है।टोयोटा की मशहूर ग्लोबल एसयूवी विरासत पर आगे बढ़ते हुए, हायराइडर ने अपनेदमदार और आकर्षक डिज़ाइनके साथ-साथआधुनिक तकनीकके मेल से समझदार ग्राहकों की पसंदीदा कार के रूप में पहचान बनाई है।इस नए और बारीकी से तैयार किए गएएयरो एडिशन एक्सेसरी पैकेजके साथ, हायराइडर का प्रीमियम लुक और भी निखर गया है। इसका डिज़ाइन सड़क पर इसे बाकियों से अलग और खास बनाता है।एयरो एडिशन चार रंगों में उपलब्ध है - व्हाइट, सिल्वर, ब्लैक और रेड।

अर्बन क्रूज़र हायराइडर की कीमत 10.94 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

बी-एसयूवी सेगमेंट में उत्कृष्टता का नया मानक

टोयोटा कीसस्टेनेबल मोबिलिटीपेशकशों में से एक, अर्बन क्रूज़र हायराइडरने अपनेसेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेनके साथ बी-एसयूवी श्रेणी में एक नया मानक स्थापित किया है।

यह स्मार्ट सिस्टम पेट्रोल और इलेक्ट्रिक पावर को बड़ी सहजता से जोड़ता है, जिससे ड्राइविंग अनुभव स्मूथ और साइलेंट रहता है, जबकि फ्यूल एफिशिएंसी बेहतरीन मिलती है।

यह एसयूवी दो पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध है - सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेनऔरनियो ड्राइव।सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वेरिएंट ई-ड्राइव ट्रांसमिशन से लैस है और यह लगभग 40 प्रतिशत दूरी और 60 प्रतिशत समय तक सिर्फ इलेक्ट्रिक पावर पर चलता है, जब इंजन बंद रहता है। इससे इसे 27.97 किलोमीटर प्रति लीटरतक की माइलेज मिलती है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम

मुंबई। आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की। वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की तुलना में 98 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के साथ 3,627 करोड़ रुपये दर्ज हुआ। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 3,523 करोड़ रहा। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 3.71 प्रतिशत दर्ज हुआ तथा शुद्ध ब्याज आय 3,285 करोड़ रही। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के लिए जमा लागत 4.69 प्रतिशत रही, जो वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए 4.65 प्रतिशत थी। सीआरएआर ने 341 बीपीएस की साल दर साल वृद्धि दर्ज की और यह 25.39 प्रतिशत हो गया। रिटर्न ऑन एसेट्स (आरओए) में 158 बीपीएस का सुधार हुआ और यह वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 1.97 प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में 3.55 प्रतिशत दर्ज हुआ। इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) 29.64 प्रतिशत रहा।

चैंपियंस लीग में हुई गोल की बरसात, पीएसजी और बार्सिलोना की बड़ी जीत

मैनचेस्टर (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में मंगलवार की रात को गोल की जबरदस्त बरसात देखने को मिली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सात, बार्सिलोना ने छह और एर्लिंग हालैंड ने सत्र का अपना 24वां गोल किया। कुल मिलाकर नौ मैच में 43 गोल हुए, जिनमें से छह टीमों ने चार या उससे अधिक गोल किए।

पीएसवी आइंडहोवन ने इतालवी चैंपियन नेपोली को 6-2 से हराया, जबकि आर्सेनल और इंटर मिलान ने भी बड़ी जीत हासिल कर यूरोप के इस सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी

रखा। लेकिन गत विजेता पीएसजी बायर लेवरकुसेन के खिलाफ 7-2 से जीत के बाद शीर्ष पर है। इस मैच में दोनों टीमें पहले हाफ में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई थीं। पीएसजी कि यह तीन मैच में तीसरी जीत है।

बार्सिलोना की 6-1 की ओलंपियाकोस के खिलाफ जीत ने उसे महीने की शुरुआत में पीएसजी से मिली हार से उबरने में मदद की। बार्सिलोना की तरफ से फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक बनाई और मार्कस रशफोर्ड ने दो गोल दागे। यह लोपेज़ के करियर की पहली हैट्रिक थी। लामिने यामल ने भी एक गोल किया।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पेरिस मास्टर्स से हटे

पेरिस (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैर में चोट के कारण एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट में पहले सेट के बाद खेलना बंद

कर दिया था। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में बहुत कम टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। उन्होंने चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अलावा केवल आठ एटीपी टूर प्रतियोगिताओं में ही भाग लिया है। जोकोविच इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे।

मई के अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में भाग लिया। जोकोविच ने जिस अंतिम आधिकारिक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था वह शंघाई मास्टर्स था जिसके सेमीफाइनल में हार के दौरान वह कूल्हे में दर्द से परेशान रहे थे।

महिला विश्व कप में पाकिस्तान की करारी हार, बोर्ड में मचा बवाल!

लाहौर (एजेंसी)। विश्व कप में लगातार हार के बाद पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में आ गई है। मंगलवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 150 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। यह हार टीम के लिए केवल एक मैच नहीं, बल्कि आत्ममंथन का समय बन गई है।

लगातार हार से डगमगाया आत्मविश्वास- पाकिस्तानी टीम अभी अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। अब तक टीम को बांग्लादेश, भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से हार मिली है, जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश के कारण अधूरे रहे। इस खराब प्रदर्शन ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बुरी तरह झकझोर दिया है। पूर्व कप्तान जावेरिया खान ने कहा, बल्लेबाजों ने निराश किया है। हमारे खिलाड़ियों में अन्य टीमों जैसी ताकत और कौशल की कमी है।

आज पहली हार भुलाकर बराबरी के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

एडिलेड में कोहली 4 मैच में 2 शतक लगा चुके, यहां भारत ने 60 प्रतिशत मुकाबले जीते

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम का दूसरा पड़ाव एडिलेड ओवल में है। यहां गुरुवार को सुबह 9 बजे से दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। मेजबान टीम पहला वनडे जीतकर 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है।

भारत के लिए दूसरा वनडे मैच बेहद अहम है। अगर भारतीय टीम यह मुकाबला हार जाती है, तो सीरीज गंवा देगी। एक जीत हमें बराबरी पर ला सकती है। इस मैच में बारिश का अनुमान है।

भारत एडिलेड के मैदान पर पिछले 17 साल से वनडे मैच नहीं हारा है। टीम के पास लगातार तीसरी जीत हासिल करने का मौका भी है।

विराट कोहली भी इस मैदान पर हर दूसरे मैच में शतक लगा रहे हैं। अब देखना यह है कि कोहली अपने पसंदीदा मैदान पर भारतीय टीम को जीत दिला पाते हैं या नहीं।

कोहली ने ज्यादा रन बनाए, जडेजा टॉप विकेट टेकर

मौजूदा टीम की बात करें तो विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 51 मैचों में 53.28 के एवरेज से 2451 रन बनाए हैं। इस मैदान पर कोहली ने 4 मैच खेले हैं और 61.00 के एवरेज से 244 रन बनाए हैं। वे 2 शतक भी लगा चुके हैं यानी कोहली एडिलेड की हर दूसरी पारी में शतक लगाते हैं। रवींद्र जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। वे 45 मैच में 39 विकेट ले चुके हैं।

मार्श ने सबसे ज्यादा रन बनाए, स्टार्क को 31 विकेट

ऑस्ट्रेलिया की मौजूदा टीम में कप्तान मिचेल मार्श ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वे 24 मैच में 39.29 के एवरेज से 943 रन बना चुके हैं। मार्श ने 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं। गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क ने 20 मैचों में भारत के 31 विकेट झटके हैं।

एडिलेड में गुरुवार को 25 प्रतिशत बारिश के आसार

गुरुवार को एडिलेड के आसमान पर बादल छाए रहेंगे। यहां पर 25त्न बारिश के आसार हैं। दिन का अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रहेगा।

एडिलेड ओवल भारत के होमग्राउंड जैसा

ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल ग्राउंड भारत के होमग्राउंड जैसा है। भारतीय टीम ने यहां 15 मैच खेले हैं। उसने इनमें से 9 मैच जीते हैं, जबकि 5 में उसे हार मिली है। यानी भारत ने यहां 60 प्रतिशत मैच जीते हैं। जो अन्य ऑस्ट्रेलियाई मैदानों से ज्यादा है। टीम इंडिया को इस मैदान पर आखिरी हार 19 फरवरी 2008 को श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। इस मैदान पर भारत के पास ऑस्ट्रेलिया पर लगातार तीसरी जीत हासिल करने का मौका है। टीम ने यहां पिछले दोनों मैच जीते हैं। उससे पहले के 4 मैच कंगारुओं ने जीते हैं। इस मैदान पर दोनों ने कुल 6 मैच खेले हैं। ओवरऑल बात करें तो भारत-ऑस्ट्रेलिया ने कुल 153 वनडे मैच खेले हैं। इनमें से भारत ने 58 जीते, जबकि ऑस्ट्रेलिया के नाम 85 मैच रहे। 10 मुकाबले बेनतीजा रहे। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर भारत ने कंगारुओं के खिलाफ 55 मैच खेले हैं। इनमें से 14 जीते और 39 हारे हैं।

बैटर्स-बॉलर्स दोनों के लिए मददगार पिच

एडिलेड ओवल की पिच बैटर्स और बॉलर्स दोनों को मदद करेगी। यह पिच शुरुआत में बैटर्स को मदद करेगी। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा वैसे-वैसे स्पिनर्स को मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। इस मैदान पर कुल 94 वनडे मैच खेले गए हैं। इनमें से 49 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने जीते हैं, जबकि 43 मैच पहले गेंदबाजी करने वाली टीमों ने जीते हैं।

पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्?डी, वॉशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज/अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, जोश फिलिपी (विकेटकीपर), मिचेल ओवेन, कूपर कॉनोली, मिचेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन, जोश हेजलवुड।

हरभजन सिंह, कीरोन पोलार्ड, पीयूष चावला फिर दिखेंगे क्रिकेट के मैदान में

अबू धाबी टी10 के 9वें संस्करण में खेलेंगे

अबू धाबी (एजेंसी)। क्रिकेट का सबसे तेज फॉर्मेट अबू धाबी टी10 के 9वें संस्करण में हरभजन सिंह, आंद्रे रसेल, कीरोन पोलार्ड, शिमरोन हेटमायर, पीयूष चावला और फाफ डू प्लेसिस जैसे दिग्गज क्रिकेटर नई टीमों के साथ मैदान में उतरेंगे। जायेद क्रिकेट स्टेडियम में 18 से 30 नवंबर चलने वाले इस टूर्नामेंट में सभी आठ प्रतिभागी फ्रेंचाइजी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों और युवा प्रतिभाओं के साथ ट्रॉफी के लिए भिड़ेंगी।

अजमान टाइटन्स ने इस सीजन में भारत के विश्व कप विजेता टीम के

स्पिनर रहे पीयूष चावला को टीम में शामिल किया है। फ्रेंचाइजी ने मोईन अली, रिली रोसो और एलेक्स हेल्स को शामिल करके अपनी बल्लेबाजी लाइनअप को भी मजबूत किया है। शीर्ष

क्या बुमराह को पीछे छोड़ देंगे पाकिस्तान के नोमान अली

आईसीसी टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर आए, गिल की पोजिशन भी खतरे में

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ सकते हैं। इतना ही नहीं, भारतीय कप्तान शुभमन गिल की नंबर-1 पोजिशन भी खतरे में हैं। आईसीसी ने बुधवार अपनी ताजा रैंकिंग जारी की।

टेस्ट गेंदबाजों में पाकिस्तानी स्पिनर नोमान अली दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्हें 4 स्थानों का फायदा हुआ है। नोमान के 853 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वे भारत के जसप्रीत बुमराह से 29 रेटिंग पॉइंट्स पीछे हैं। बुमराह 882 अंक के साथ नंबर-1 पर कायम हैं।

वनडे बैटर्स की रैंकिंग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल (768 रेटिंग पॉइंट्स) और इब्राहिम जादरान (764 रेटिंग पॉइंट्स) से

महज 4 अंक पीछे हैं। पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका से रावलपिंडी में दूसरा टेस्ट खेल रही है। ऐसे में संभव है कि नोमान बेहतरीन प्रदर्शन करके जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दें।

टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में गिल ने सऊद शकील को पीछे छोड़ा

टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पाकिस्तान के सऊद शकील को पीछे छोड़ दिया है। गिल 733 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 12वें स्थान पर हैं, जबकि सऊद शकील 727 अंक के साथ 13वें स्थान पर हैं। इस लिस्ट में मोहम्मद रिजवान (684 अंक) को 4 और बाबर आजम (654 अंक) को 2 अंक का फायदा हुआ है। इंग्लैंड के जो रूट (908 अंक) टॉप पर कायम हैं।

सफाई कर्मचारी की बेटी एशियन यूथ गेम्स में खेलेगी

पैसे नहीं होने पर यूथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में शामिल नहीं हो पाई थी

जालोर (एजेंसी)। जालोर के सफाई कर्मचारी की बेटी एशियन यूथ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। ओलिंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की ओर से बहरीन में 22 अक्टूबर (बुधवार) से एशियन यूथ गेम्स की शुरुआत हुई, जो 31 अक्टूबर तक चलेंगे।

इसमें मुए थाई (म्यू थाई) गेम के लिए देशभर से सिर्फ 9 खिलाड़ियों का सिलेक्शन हुआ है। इनमें हर्षिता कुमारी (16) भी शामिल है। डेढ़ महीने पहले आबू धाबी यूथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए भी हर्षिता का सिलेक्शन हुआ था। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह नहीं जा सकी थीं। मुख्य सचेतक व विधायक जोगेश्वर गर्ग और जिला कलेक्टर प्रदीप के गवांडे ने भामाशाह के जरिए करीब डेढ़ लाख रुपए की मदद की थी। लेकिन तब तक अंतिम तारीख निकल चुकी थी। मायूसी को हर्षिता ने ताकत बनाया और अब उसी के

पिता बोले- हर्षिता का टारगेट ओलिंपिक खेलना है

हर्षिता के पिता यशपाल कठारिया जालोर नगर परिषद में सफाई कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि वे परिवार में एकमात्र कमाने वाले हैं। उनके 5 बेटी हैं। बड़ी बेटी बीए कर रही है। दूसरे नंबर पर हर्षिता है, जिसका टारगेट देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना और ओलिंपिक खेलना है। अन्य बेटियां स्कूल में पढ़ाई करती हैं।

उन्होंने बताया- हर्षिता की शुरू से इसी गेम में दिलचस्पी थी। इसमें वह लगातार जीत हासिल करती गई। हमारी पूरी कोशिश थी कि उसे हर टूर्नामेंट में खेलने के लिए भेजें, लेकिन कई बार आर्थिक तंगी के कारण भेज नहीं पाए। हालांकि इस बार सभी ने सहयोग किया, जिससे वह इंटरनेशनल लेवल पर देश और जालोर जिले का नाम रोशन करेगी।यशपाल ने कहा कि मेरे और मेरे समाज के लिए हर्षिता की उपलब्धि गर्व की बात है।

रावलपिंडी टेस्ट में साउथ अफ्रीका की वापसी

पाकिस्तान पर 71 रन की बढ़त हासिल की, पहली पारी में 404 रन बनाए, मुथुस्वामी-रबाडा की फिफ्टी

रावलपिंडी (एजेंसी)। रावलपिंडी टेस्ट के तीसरे दिन साउथ अफ्रीका ने वापसी कर ली है। टीम ने पाकिस्तान पर 71 रन की बढ़त भी हासिल कर ली है। प्रोटियाज टीम पहली पारी में 404 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम से 4 बैटर्स ने फिफ्टी लगाई। सेनुरन मुथुस्वामी सबसे ज्यादा 89 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान से डेब्यू कर रहे 38 साल के आसिफ अफरीदी ने 6 विकेट चटकाए। बुधवार को तीसरे सेशन का खेल जारी था। पाकिस्तानी टीम अपनी दूसरी पारी की बल्लेबाजी कर रही है। टीम ने 17 रन पर 3 विकेट भी गंवा दिए हैं। साउथ अफ्रीका ने दूसरे दिन के स्कोर 185 रन पर 4 विकेट से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 2 सेशन बल्लेबाजी की और 246 रन जोड़े। पाकिस्तानी टीम पहली पारी में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। टीम से कप्तान शान मसूद ने सबसे ज्यादा 87 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका से केशव महाराज ने 7 विकेट लिए थे।

साउथ अफ्रीका से दिन की शुरुआत खराब रही। कल 68 रन बनाकर नाबाद रहे ट्रिस्टन स्टब्स 76 और काइल वीरेने को 10 रन पर आसिफ अफरीदी ने पवेलियन भेजा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए सेनुरन मुथुस्वामी ने अफ्रीकी पारी को संभाला। लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। साइमन हार्मर को 2 रन पर आसिफ अफरीदी ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। ऑलराउंडर मार्को यानसन भी कुछ खास नहीं कर सके। उन्हें 12 रन पर नोमान अली ने पवेलियन भेजा।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए केशव महाराज ने मुथुस्वामी के साथ पारी आगे बढ़ाई। दोनों ने नौवें विकेट के लिए तेजी से 92 बॉल पर 71 रन बना डाले। केशव महाराज को 30 रन पर मोहम्मद रिजवान ने नोमान अली की बॉल पर स्टंपिंग कर दिया। मुथुस्वामी ने केशव के आउट होने के बाद फिफ्टी लगाई और कागिसो रबाडा के साथ मिलकर 10वें विकेट के लिए 98 रन जोड़कर साउथ अफ्रीका को बढ़त दिला दी।

मुथुस्वामी और रबाडा की हाफ सेंचुरी

सेनुरन मुथुस्वामी और कागिसो रबाडा ने फिफ्टी लगाई। मुथुस्वामी अपने शतक से 11 रन दूर रह गए। वे 89 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने 155 गेंदों का सामना किया और 8 चौके लगाए। आखिरी बल्लेबाज के रूप में आए कागिसो रबाडा ने अटैकिंग बल्लेबाजी की और 61 बॉल पर 71 रन बनाए।

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर आईसीसी बैठक में बीसीसीआई और पीसीबी के बीच टकराव की संभावना

कराची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले महीने होने वाली बैठक में टकराव की स्थिति बन सकती है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख के तौर पर व्यक्तिगत रूप से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने के अपने रुख से पीछे नहीं हट रहे हैं। बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे गए जवाब में नकवी ने जोर देकर कहा है कि वह 10 नवंबर को दुबई में एक समारोह आयोजित करने के इच्छुक हैं, जहां बीसीसीआई का प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी ले सकता है। नकवी ने अपने जवाब में लिखा,-एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और यह तब तक एसीसी मुख्यालय में रखी रहेगी जब तक बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाडी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता।

सरफराज खान के चयन न होने पर विवाद

कांग्रेस प्रवक्ता का गंभीर पर आरोप, सरफराज को 'खान' सरनेम के कारण नहीं चुना

नईदिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में सरफराज खान को नहीं चुने जाने पर सवाल उठने लगे हैं। साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ मंगलवार को भारत ए का ऐलान किया गया। दोनों मुकाबले बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मैच 30 अक्टूबर से, जबकि दूसरा मुकाबला 6 नवंबर से शुरू होगा।

इस सीरीज के साथ ऋषभ पंत की मैदान पर वापसी हो रही है। वह इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए

थे और तब से टीम इंडिया से बाहर चल रहे थे। पंत को भारत ए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने सरफराज खान के चयन न होने पर सवाल उठाया है। शमा मोहम्मद ने एक्स पर सवाल उठाया कि क्या सरफराज को उनके उपनाम की वजह से नहीं चुना गया। उन्होंने एक्स पर कहा, क्या सरफराज खान को उनके उपनाम के कारण नहीं चुना गया है। बसपूछ रही हूं। हम जानते हैं कि गौतम गंभीर इस मामले में क्या सोचते हैं।

भाई दूज ? तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त क्या है ?

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाईदूज, चित्रिगुप्त पूजा और यम द्वितीया का पर्व मनाया जाता है। इस बार उदयातिथि के अनुसार यह पर्व 23 अक्टूबर 2025 गुरुवार को मनाया जाएगा। भाई दूज का पर्व मध्यान्ह काल में ही मनाया जाना चाहिए। इस दिन अभिजीत मुहूर्त हो तो अति उत्तम।

23 अक्टूबर 2025 को भाई दूज तिलक लगाने का शुभ मुहूर्त

द्वितीया तिथि प्रारम्भ- 22 अक्टूबर 2025 को रात्रि 08:16 बजे से।

द्वितीया तिथि समाप्त- 23 अक्टूबर 2025 को रात्रि 10:46 बजे तक।

उदयातिथि के अनुसार 23 अक्टूबर 2025 को मनाएंगे भाईदूज का पर्व।

भाई दूज अपराह्न समय- 01:13 से 03:28 के बीच।
अभिजीत मुहूर्तः दिन में 11:43 से 12:28 के बीच।
विजय मुहूर्तः अपराह्न 01:58 से 02:43 के बीच।
नोटः तीनों ही समय तिलक लगाने और भाई को भोजन कराने के लिए शुभ है।

बहने इस दिन अपने भाई को पान जरूर खिलाएं
इससे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी।

कैसे मनाते हैं भाईदूज का पर्व?

1. बहन अपने भाई को लकड़ी की या चावल की चौकी बनाकर तिलक करें।
2. भाई को तिलक लगाते समय भाई का मुंह उत्तर या उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए। बहन का मुंह उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।
3. बहन अपने भाई को तिलक करने से पूर्व भाई के सिर पर फूल, पान, सुपारी, और पैसा रखें और भाई की कलाई पर मौली बांधें इसके बाद ही तिलक लगाएं।
4. इस दिन भाई को तिलक करने के बाद भोजन कराएं और फिर इसके बाद ही भोजन करें। इससे पहले बहनें खाना न खाएं। भाई दूज पर भाई को भोजन कराने के बाद ही बहनें खाना खाएं।
5. इस दिन बहनें अपने भाई के लिए सात्विक भोजन ही बनाएं। भोजन में खीर और मीठा जरूर रखें। किसी भी प्रकार से तामसिक या राजसिक भोजन न बनाएं। भाई दूज पर मांसाहार बिल्कुल भी नहीं खाएं।
6. भाई दूज के दिन भाई और बहन आपस में लड़ाई-झगड़ा न करें और घर परिवार की विवादित या पुरानी बातों पर चर्चा न करें। खुशी का माहौल बनाए रखें।
7. रक्षा बंधन पर भाई अपनी बहन को उपहार देता है जबकि भाई दूज पर बहनें अपने भाई को उपहार दें। हालांकि दोनों ही एक दूसरे को उपहार दें तो कोई हर्ज नहीं।
8. भाई दूज पर भाई-बहन काले रंग के कपड़े न पहनें। पीले, लाल, गुलाब, हरे रंग के कपड़े पहन सकते हैं।
9. बहने इस दिन अपने भाई को पान जरूर खिलाएं। इससे अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी।
10. यदि संभव हो तो दोनों यमुना स्नान करें।

चित्रगुप्त की पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 22 अक्टूबर को रात 8 बजकर 16 मिनट पर शुरू होगी। वहीं इस तिथि का समापन 23 अक्टूबर को रात 10 बजकर 46 मिनट पर होने जा रहा है। ऐसे में चित्रगुप्त पूजा गुरुवार 23 अक्टूबर को की जाएगी। इस दिन पूजा का मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है-

चित्रगुप्त पूजा अपराह्न मुहूर्त - दोपहर 1 बजकर 13 मिनट से दोपहर 3 बजकर 28 मिनट तक

चित्रगुप्त पूजा का महत्व

पांच दिवसीय दीपोत्सव में भाई दूज के दिन चित्रगुप्त पूजा भी की जाती है। इस दिन को भगवान चित्रगुप्त की उत्पत्ति के रूप में मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान चित्रगुप्त कलम-दवात की सहायता से समस्त जीवों के कर्मों का विवरण लिखते हैं, इसलिए चित्रगुप्त पूजा के दिन कलम-दवात और बही-खातों की पूजा-अर्चना की जाती है।

इस दिन इस दिन लोग आत्मचिंतन और कर्मों की समीक्षा भी करते हैं और ईमानदारी के पथ पर चलने का प्रण लेते हैं। माना जाता है कि इस पूजा से साधक को विद्या, बुद्धि, साहस और लेखन के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है।

चित्रगुप्त जी की पूजा विधि

चित्रगुप्त पूजा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होने के बाद पूजा स्थल की साफ-सफाई करें। अब वेदी पर चित्रगुप्त की मूर्ति या फिर तस्वीर स्थापित करें। चित्रगुप्त जी के समक्ष घी का दीपक जलाएं और उन्हें पंचामृत अर्पित करें। इसके साथ ही चित्रगुप्त जी को हल्दी, चंदन, फूल, फल और मिठाई आदि अर्पित करें। इसके बाद चित्रगुप्त कथा का पाठ करें और आरती करें। अंत में सभी लोगों में प्रसाद बांटें।

जरूर करें ये काम

चित्रगुप्त जी की पूजा में कलम, डायरी या खाली कागज जरूर लेकर बैठें। पूजा के दौरान खाली पन्ने पर रोली और घी से स्वास्तिक बनाएं। इसके बाद श्री गणेशाय नमः और ॐ चित्रगुप्ताय नमः लिखें। इसके बाद इस कागज पर सभी देवी-देवताओं का नाम लिखें। इससे साधक को चित्रगुप्त जी की कृपा मिलती है।

भाई दूज पर करें ये 5 आसान उपाय, दीर्घायु होगा भाई!

भाई दूज दीपोत्सव का पांचवां दिन होता है। यह त्योहार हर साल दिवाली के दो दिन बाद मनाया जाता है। इस साल यानी 2025 में भैया दूज का त्योहार 23 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन बहनें अपने भाइयों को टीका कर उनके दीर्घायु की कामना करती हैं। कई जगहों पर बहनें इस दिन अपने भाई की सलामती के लिए व्रत भी करती हैं। धार्मिक मान्यता है कि, इस दिन यम और उसकी बहन यमुना की पूजा की

जाती है। इस किए गए कुछ उपाय कारगर हो सकते हैं। चलिए ऐसे उपाय बताते हैं, जिन्हें भाई दूज के दिन करने से आपके परिवार में खुशहाली आएगी और शुभ फल मिलेंगे।

भाई दूज के उपाय

अन्य दानः सनातन धर्म में किसी भी शुभ तिथि पर दान करने का विशेष महत्व है। ऐसे में भाई दूज के दिन गरीब लोगों में अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान करें।

यमुना स्नानः भाई की लंबी आयु के लिए भाई दूज के दिन भाई को यमुना स्नान कराएं। धार्मिक मान्यता है कि, भाई को यमुना स्नान करवाने से उन्हें (भाई को) लंबी आयु का वरदान प्राप्त होता है। साथ ही, भाई का स्वास्थ्य सही रहता है।

यम का दीया जलाएंः भाई दूज के दिन बहन को घर के बाहर यमराज के नाम का चौमुखी दीपक जलाना चाहिए। कहा जाता है कि, ऐसा करने से यम प्रसन्न होते हैं और भाई की आयु बढ़ती है।

प्रभु से कामते हुए तिलक करें: भाई और बहन के रिश्ते मजबूत के लिए भाई दूज के दिन भाई के हाथ में कलावा बांधे और उनकी लंबी आयु के लिए प्रभु से कामना करें और तिलक करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से भाई-बहन के रिश्ते में मधुरता आती है।

मुंह मीठा कराएंः बहन को भाई के माथे पर तिलक करके उनकी मंगल कामना करनी चाहिए और उसका मुंह मीठा करना चाहिए। इस दिन बहन को भाई को तरह तरह के पकवान बनाकर खिलाने चाहिए।

नशा और बुरी आदतें व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से दुर्बल बना देती हैं

जीवन एक अनमोल अवसर है। जो बीत गया, वह भूतकाल है, जिसे बदला नहीं जा सकता। भविष्य केवल कल्पना और योजनाओं का क्षेत्र है, जो अभी आया नहीं है। वास्तविकता में जीवन केवल वर्तमान है। वर्तमान ही वह क्षण है, जिसमें हम अपनी मेहनत, संकल्प और सोच से भविष्य की नींव रखते हैं। इसलिए हमें वर्तमान को पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ जीना चाहिए। भूतकाल से सीख लेकर और भविष्य के लिए योजना बनाकर, हमें वर्तमान में कर्म करना चाहिए।

शुभता, समृद्धि और संतान पाने के लिए सूप में जरूर सजाएं ये फल

छठ मईया होंगी खुश, भर देंगी झोली!

25 अक्टूबर से लोक आस्था महापर्व की शुरुआत होने वाली है, जिसे छठ महापर्व कहा जाता है। यह पूरे चार दिनों तक चलने वाला है। वैसे तो छठ महापर्व पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाता है, विशेषकर उत्तर भारत के राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल जैसे राज्यों में इसकी अलग ही धूम होती है। छठ महापर्व में शुद्धता का खास ध्यान रखा जाता है। इसके साथ ही छठ पर्व में दउरा और सूप का विशेष महत्व होता है।

भक्त अपने कंधे पर उठाकर दउरा और सूप में फल रखकर पूजा स्थल से छठ घाट तक ले जाते हैं। इससे छठी मईया और भगवान सूर्य बेहद खुश होते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल होता है कि इस दउरा और सूप में कौन सा फल मईया और सूर्य भगवान को अर्पण किया जाए।

कहा कि 25 अक्टूबर को नहाए-खाए के साथ ही छठ महापर्व की शुरुआत होने वाली है। 26 अक्टूबर को खरना प्रसाद ग्रहण किया जाएगा। 27 अक्टूबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही इस महापर्व का समापन हो जाएगा।

बांस के बने दउरा और सूप का है खास महत्व

ज्योतिषाचार्य कहते हैं कि इस पर्व में बांस के बने दउरा और सूप का प्रयोग इसलिए होता है क्योंकि इस पर्व को करने से वंश की प्राप्ति होती है, तो वंश की उपमा से जोड़कर बांस को दिया गया है, जिस कारण बांस के बने दउरा का इस्तेमाल होता है। इस पर्व की शुरुआत ऋषि पत्नी द्वारा की गई थी। इसीलिए इसमें सबसे पहले सभी ऋतु फल से भरा जाता है।

कौन-कौन से फल से सजाएं दउरा और सूप

केलाः केले को छठ पूजा में बहुत पसंद किया जाता है। यह फल समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। केले को पूजा में चढ़ाने के साथ-साथ इसे प्रसाद के रूप में भी बांटा जाता है।

पानी फल (सिंघाड़ा)ः छठ मईया को सिंघाड़ा चढ़ाना शुद्धता, धन-धान्य की प्राप्ति और देवी को खुश करने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह एक पवित्र पानी में उगने वाला फल है।

नारियलः छठी मईया को खुश करने के लिए नारियल चढ़ाना जरूरी है क्योंकि इसे परम पवित्र और शुद्ध फल माना जाता है, जो मां लक्ष्मी का स्वरूप है और यह मनोकामना पूर्ण करने का प्रतीक है।

गन्नाः छठी मईया को खुश करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए गन्ने का चढ़ावा बहुत महत्वपूर्ण है।

मूली, अदरक, हल्दीः छठी मईया के सूप पर चढ़ाए जाने वाले पौधों में अदरक, हल्दी और मूली शामिल हैं। ये पौधे छठी मईया को मूल रूप में चढ़ाए जाते हैं। खास बात यह है कि मूली और अदरक की उत्पत्ति भारत में ही हुई है। हजारों साल से छठी मईया को मूली और अदरक चढ़ाने की परंपरा है। स्कंद पुराण में छठ पर्व मनाने की पूरी विधि का वर्णन है।

ठेकुआः छठी मईया को ठेकुआ का प्रसाद चढ़ाया जाता है क्योंकि यह उनका प्रिय और पारंपरिक प्रसाद है, जिसे शुभता, समृद्धि और संतान प्राप्ति के लिए चढ़ाया जाता है।

-बिनय यादव

छठ पूजा की शुरुआत नहाए-खाए से क्यों होती है ?

छठ पूजा का त्योहार नजदीक है। यह पर्व न सिर्फ धार्मिक रूप से बल्कि आस्था और अनुशासन के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। यह पर्व भगवान सूर्य की उपासना और षष्ठी माता की आराधना का होता है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला यह महापर्व चार दिनों तक चलता है। 25 अक्टूबर को नहाए-खाए से इसकी शुरुआत होगी और 28 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इसका समापन होगा। यह पर्व न सिर्फ बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में बल्कि आज पूरे देश और विदेशों में भी बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है।

माता सीता ने सबसे पहले इस व्रत को किया था

माता सीता ने सबसे पहले इस व्रत को किया था। वे सूर्यवंशी भगवान श्रीराम की पत्नी थीं और सूर्यदेव की आराधना के निमित्त उन्होंने मुद्गल ऋषि के बताए अनुसार इस व्रत की शुरुआत की थी। उस समय यह पर्व छह दिनों तक चलता था जिसे अब घटाकर चार दिनों तक किया जाने लगा है।

वेदांताचार्य बताते हैं कि षष्ठी से दो दिन पहले नहाए-खाए का दिन होता है। इस दिन व्रती स्नान कर गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान करते हैं और एक समय सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं जिसमें चने की दाल और लौकी (कद्दू) की सब्जी बनाई जाती है। यह भोजन शरीर को शुद्ध रखने और व्रत के लिए तैयार करने का प्रतीक माना जाता है। महंत जी ने बताया कि द्वापर युग में सूर्यपुत्र कर्ण ने भी इस व्रत को किया था। उनकी राजधानी अंग देश (वर्तमान बिहार) में थी इसलिए माना जाता है कि छठ महापर्व की मुख्य परंपरा बिहार से ही पूरे देश में फैली। द्रौपदी ने भी जब पांडव वनवास में थे, तब इस व्रत को किया था। इसलिए यह व्रत केवल धार्मिक नहीं बल्कि ऐतिहासिक परंपरा का भी प्रतीक है।

36 घंटे तक निर्जल उपवास

छठ व्रत को सबसे कठिन व्रत इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसमें 36 घंटे तक निर्जल उपवास रखा जाता है। व्रती न तो अन्न ग्रहण करते हैं न जल। यह पूर्ण आत्मसंयम और श्रद्धा का व्रत है। सूर्यदेव की आराधना करने से व्यक्ति को निरोगी काया, सुख-समृद्धि और संतान की प्राप्ति होती है। महंत कामेश्वरानंद बताते हैं कि आज विज्ञान भी मानता है कि सूर्य की रोशनी से शरीर में ऊर्जा आती है और आंखों की कई बीमारियां दूर होती हैं।

कैसे शुरू होती छठ की पूजा

छठ पूजा प्रकृति से गहराई से जुड़ा पर्व है। इसमें व्रती डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर दिनभर की थकान और दुखों को विदा करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर नए जीवन और उजाले का स्वागत करते हैं। ऐसा माना जाता है कि माता सीता ने सबसे पहले यह व्रत मुंगेर और सरयू नदी के किनारे किया था। आज वही परंपरा हर घर में, हर घाट पर दोहराई जाती है जहां महिलाएं पीले वस्त्र धारण कर, सिर ढककर, पूरी श्रद्धा से सूर्य को अर्घ्य देती हैं। छठ पूजा केवल पूजा नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि, संयम, और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यही कारण है कि इसे सनातन धर्म का सबसे कठिन और सबसे पवित्र महापर्व कहा गया है।

-श्रीमती पिंकी सिंह

महेश बाबू ने फिल्म जटाधारा का ट्रेलर लॉन्च किया

सोनाक्षी धन पिशाचनी तो शिल्पा शिरोडकर बनीं लालची औरत

महेश बाबू ने फिल्म जटाधारा का ट्रेलर लॉन्च किया है। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू, दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर अहम भूमिका में हैं। भूत-पिशाच, काला जादू और लालच से भरी ये फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होगी। तेलुगू एक्टर महेश बाबू ने अपकमिंग फिल्म जटाधारा का ट्रेलर डिजिटली लॉन्च किया। वेंकट कल्याण की डायरेक्टेड इस थ्रिलर मूवी में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं। वहीं, दिव्या खोसला और शिल्पा शिरोडकर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो वो दर्शकों एक अलग दुनिया से रूबरू करवाता है। साथ ही एक ऐसी कहानी की झलक मिलती है जहां काला जादू एक शक्तिशाली शक्ति है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा धन पिशाचिनी का किरदार निभा रही हैं, जो सोने के आभूषणों से लदी हुई हैं। मूवी की कहानी भी पिशाचिनी की ईर्द-गिर्द धूमती है, जो सदियों से एक सोने के खजाने की रखवाली करती है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, खजाने की खोज से शुरू हुआ सफर खतरों, श्रापों से भरे एक सफल में बदल जाता है। शिल्पा शिरोडकर एक लालची महिला के रूप में नजर आती हैं तो सुधीर बाबू भूत-प्रेत में भरोसा न करने वाले किरदार को निभाते दिखते हैं। घोस्ट हंटर बनकर वह सोनाक्षी के किरदार से पंगा ले लेते हैं। फिर जो होता है वो फिल्म के रिलीज पर ही पता चलेगा।

फिल्म जटाधारा की रिलीज डेट

डायरेक्टर ने इस फिल्म के जरिए पुरानी परंपराओं को दिखाने का प्रयास किया है। जटाधारा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के निर्माता उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा हैं, जबकि अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह-निर्माता हैं। टीम में क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी भी शामिल हैं। संगीत और साउंडस्केप जी म्यूजिक कंपनी द्वारा क्यूरेट किया गया है।

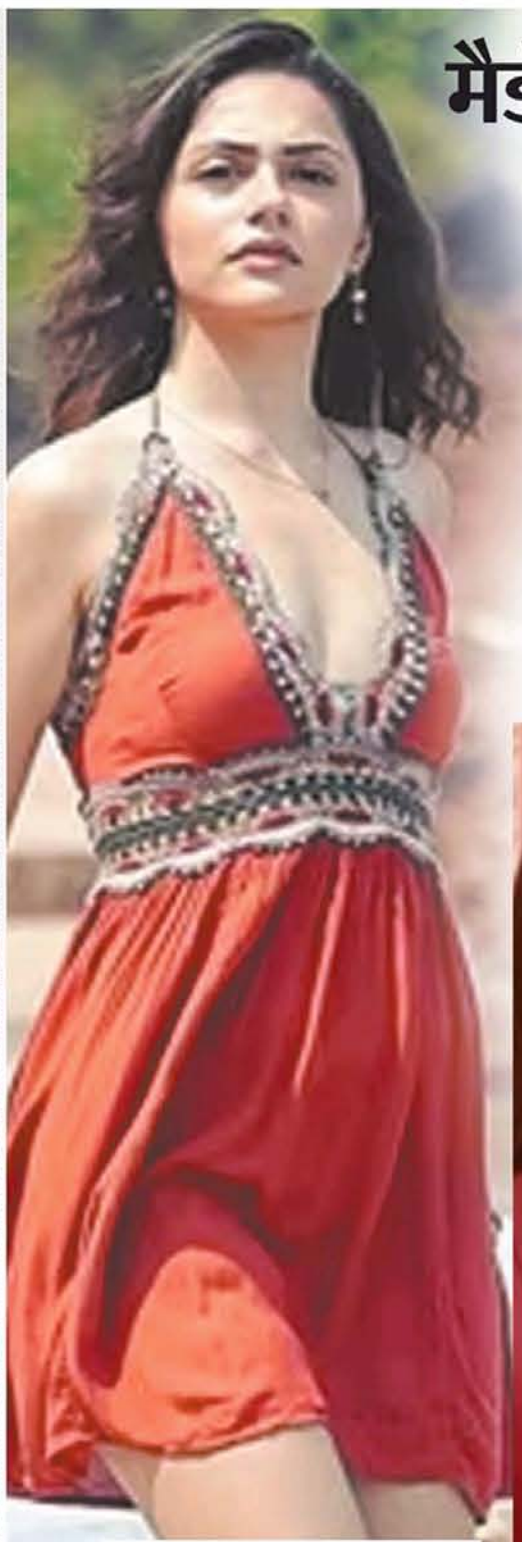

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में अनीत पड्डा की एंट्री

यशराज फिल्म्स की सैयारा में अनीत पड्डा ने लीड रोल अदा किया। इस फिल्म ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचा दिया है। अब उनकी एंट्री मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में हो गई है। दरअसल, आज मैडॉक की थामा थिएटर्स में रिलीज हो गई है। फिल्म के आखिर में मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल अदा करेंगी। मैडॉक फिल्म्स ने थामा की स्क्रीनिंग के दौरान शक्ति शालिनी का आधिकारिक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई है। साथ ही साफ कर दिया कि फिल्म में सैयारा फेम अनीत पड्डा लीड रोल करेंगी। पहली फिल्म में कियारा आडवाणी यह रोल अदा करने वाली थीं। मगर, अब अनीत की झोली में यह किरदार आ गिरा है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म शक्ति शालिनी अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनाउंसमेंट वीडियो में दी गई जानकारी के मुताबिक यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। साझा किए गए वीडियो में या देवी सर्वभूतेषु मंत्र सुनाई दे रहा है। इसके साथ स्क्रीन पर लिखा है, रक्षक, विध्वंसक, सभी की मां। आगे लिखा है, शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा।

अनीत के फैंस ने जताई खुशी

शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा की एंट्री पर उनके फैंस काफी खुश हैं। नेटिजन्स अनीत को बधाई दे रहे हैं। साथ ही लिख रहे हैं, उम्मीद है कि यह फिल्म शानदार साबित होगी। बात करें फिल्म थामा की तो इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे सितारे हैं।

अभिनेत्री पवित्रा पुनिया को फिर मिला प्यार!

लव यू जिंदगी और बालवीर रिटर्न्स जैसे धारावाहिकों में बेहतरीन अभिनय करने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने हाल ही में बताया है कि उन्हें फिर से प्यार मिल गया है। वह इस साल अपने नए परिवार के साथ दिवाली मना रही हैं। सितंबर 2024 में अभिनेत्री का अभिनेता एजाज खान से ब्रेकअप हो गया था। पुनिया का नया साथी मनोरंजन जगत से नहीं है। दोनों पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ हैं।

पवित्रा को फिर से मिला प्यार

पुनिया ने अपने रिश्ते की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हां, मुझे फिर से प्यार मिल गया है और इस साल दिवाली मेरे लिए और भी खास है क्योंकि मैं इसे अपने नए परिवार के साथ मना रही हूं। इससे पहले वह अपने परिवार के साथ भारत में दिवाली मनाती थीं।

अमेरिकी कारोबारी हैं पवित्रा के पार्टनर

39 साल की अभिनेत्री ने बताया कि उनके पार्टनर अमेरिका में रहते हैं और वह कारोबारी हैं। उन्होंने बताया वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, कोई एक्टर नहीं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और दयालु हैं। हम पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ अच्छे रिश्ते में हैं। हमें यह सही लगता है।

विदेश में साथ रहना चाहती हैं पवित्रा

अपने रिश्ते के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए पुनिया ने कहा अपने माता-पिता और प्रियजनों के आस-पास न होना, घर को न सजाना, साथ में पूजा न करना अजीब लगेगा। हालांकि मैं अपने जीवन के इस नए चरण को लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक बड़ा बदलाव है और मैं खुले दिल से इसे अपना रही हूं। पवित्रा पुनिया ने अपने परिवार से दूर दिवाली मनाने के बारे मिलीजुली प्रतिक्रिया दी।

दिल्ली क्राइम 3 में अपने रोल पर बोलीं हुमा कुरैशी

शेफाली शाह की अदाकारी वाली मशहूर सीरीज दिल्ली क्राइन 3 का टीजर रिलीज हो गया है। इसके साथ यह भी एलान हो गया है कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। इस बार इसमें नया खुलासा होने वाला है। इस सीजन में मेकर्स ने कई नए चेहरों को भी जोड़ा है। तनुज चोपड़ा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 का निर्देशन किया है। इसमें रसिका दुग्गल (नीति सिंह के रूप में), राजेश तैलंग (भूपेंद्र सिंह के रूप में), जया भट्टाचार्य (विमला भारद्वाज के रूप में) और अनुराग अरोड़ा (जयराज सिंह के रूप में) भी हैं। कलाकारों में हुमा कुरेशी, सयानी गुप्ता, मीता वशिष्ठ, केली दोरजी और अंशुमान पुष्कर शामिल हैं। सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

हुमा कुरैशी को पसंद आया अपना रोल

मीना के रूप में फ्रैंचाइजी में शामिल होने वाली हुमा कुरैशी ने कहा मीना जैसी एक नकारात्मक भूमिका निभाना एक शक्तिशाली लेकिन बेचैन करने वाला अनुभव था। वह आघात से ग्रस्त है, फिर भी उसका नियंत्रण बहुत ज्यादा है। वह एक ऐसी महिला है जो पीड़ित और अपराधी दोनों है। दिल्ली क्राइम की ईमानदारी मुझे आकर्षित करती है। यह कभी भी महिमामंडन या सनसनीखेज नहीं बनाती। यह हमें उन असहज सच्चाइयों का सामना करने के लिए मजबूर करती है जो अक्सर साफ नजर आती हैं।

दिल्ली क्राइम के सभी सीजन के बारे में

आपको बता दें कि दिल्ली क्राइम सीरीज एक वेब सीरीज है। इस सीरीज के दो सीजन पहले ही रिलीज हो चुके हैं। पहला सीजन 2019 में रिलीज हुआ था। यह 2012 के दिल्ली गैंग रेप पर आधारित था। दूसरा सीजन 2022 में रिलीज हुआ था, जो कि चड्डी बनियान गैंग पर आधारित था। इसका तीसरा सीजन मानव तस्करी पर आधारित होगा।

फर्जी 2 के लिए शाहिद कपूर को मिली 40 करोड़ की फीस?

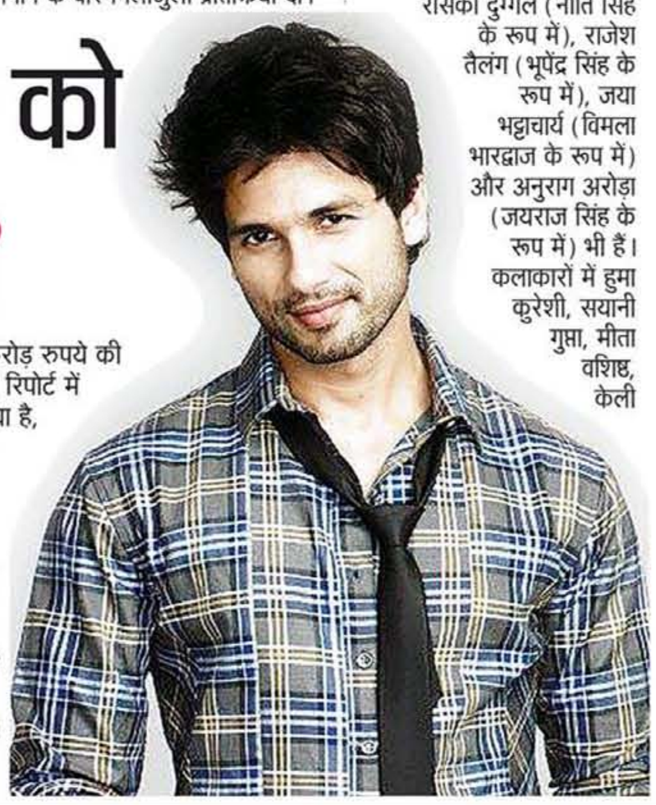

साल 2023 में शाहिद कपूर ने ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज फर्जी से ओटीटी पर डेब्यू किया था। द फैमिली मैन फेम राज और डीके के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसे फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स में 10 नॉमिनेशन मिले थे। जबकि ऑरमैक्स के मुताबिक, यह उस साल की सबसे अधिक देखी जाने वाली वेब सीरीज थी, जिसे 37 मिलियन दर्शकों ने देखा था। अब खबर है कि मेकर्स ने फर्जी सीजन 2 की तैयारी शुरू कर दी है। कहानी लिखी जा रही है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। लेकिन सबसे बड़ा दावा फर्जी 2 में शाहिद कपूर की फीस को लेकर किया जा रहा है। बताया जाता है कि एक्टर को उनके करियर का अब तक की सबसे अधिक फीस ऑफर की गई है।

फर्जी 2 की सुगबुगाहट के साथ ही कई तरह के कयास भी लगने शुरू हो गए हैं। पहले सीजन में शाहिद कपूर के साथ विजय सेतुपति, के के मेनन, राशि खन्ना और भुवन अरोड़ा नजर आए थे। नकली नोट के गोरखधंधे पर बनी इस सीरीज में एक बार फिर से इन कलाकारों की वापसी के संकेत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाहिद इस शो के लिए 40 करोड़ रुपये की फीस ले रहे हैं। जी हां, यह वाकई चौंकाने वाली रकम है, क्योंकि आम तौर पर वह एक फिल्म के लिए कथित तौर पर वह 25 से 30 करोड़ रुपये की फीस लेते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, शाहिद कपूर अगले साल जनवरी 2026 से फर्जी सीजन 2 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अभी सीरीज की कहानी लिखी जा रही है।

अब स्टार पावर पहले जैसी नहीं रही

ओटीटी के कारण यह बदलाव आया है

करीब एक दशक बाद गीता बसरा ने पंजाबी 'मेहर' के साथ कमबैक किया है। फिल्मों तक ही सीमित न रहकर वह अब अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ टॉक शो की होस्टिंग भी कर रही हैं। हाल ही में अपने कई की नई पारी को लेकर गीता बसरा ने बातचीत की।

आपकी कमबैक पंजाबी फिल्म 'मेहर' को ऑडियंस से प्यार मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस के आंकड़े उतने अच्छे नहीं रहे। इसे लेकर आप कैसा महसूस कर रही हैं?

लोगों ने फिल्म को बहुत प्यार दिया। यह एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें इमोशन, रोमांस और ड्रामा सब कुछ है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़े दर्शकों के प्यार के बराबर नहीं थे। दरअसल, हम फिल्म को उस समय रिलीज कर रहे थे जब पंजाब में माहौल ठीक नहीं था। हमें पता था कि यह सही समय नहीं था। लेकिन मेरी नजर में फिल्म शानदार थी। मेरे कमबैक के लिए इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता था।

आप इंडस्ट्री में लगभग एक दशक से हैं। क्या आपने जान-बूझकर कम काम करने का फैसला किया था?

ये चॉइस का मामला नहीं था, जिंदगी के अलग-अलग चैप्टर्स होते हैं। कभी-कभी कुछ चीजें ज्यादा अहम होती हैं। मेरे लिए मेरी फैमिली सबसे पहले थी। मेरे बच्चे छोटे थे। शादी के बाद मेरा ध्यान परिवार पर था। अब जब बच्चे बड़े हो गए हैं, तो मुझे अपने लिए ज्यादा वक्त मिलता है। अब मैं अपने जुनून के लिए काम कर रही हूं, इस प्रोसेस का मजा ले रही हूं। मैं सिर्फ आंकड़ों का पीछा नहीं कर रही। वैसे शादी से पहले फिल्म इंडस्ट्री महिलाओं के लिए सपोर्टिव नहीं थी लेकिन मैं मानती हूं, जो हुआ अच्छा हुआ।

अब आप हरभजन सिंह के साथ टॉक शो की मेजबानी कर रही हैं। यह अनुभव कैसा है?

शो होस्ट करना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव है। मुझे यह काम बहुत पसंद आ रहा है। यह पूरी तरह से नेचुरल है। हमारे शो में रिश्तों पर बातचीत है, प्यार-हंसी सब कुछ है। यह सब कुछ बिल्कुल नेचुरल है। माना एक्टिंग हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगी, लेकिन होस्टिंग से मैं अलग तरीके से ऑडियंस से जुड़ पाती हूं। इस शो में ऐसे पल भी हैं, जो लोग आमतौर पर पर्दे पर नहीं देखते हैं। यह टॉक शो मजेदार है, कभी-कभी थोड़ा मसालेदार भी है।

क्या एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स की तुलना में ज्यादा आलोचना का सामना करना पड़ता है?

ऐसा नहीं है कि एक्ट्रेसेस को मेल एक्टर्स से ज्यादा आलोचना मिलती है। अगर लोग पसंद करेंगे तो तारीफ करेंगे, नहीं तो आलोचना करेंगे ही। इससे फर्क नहीं पड़ता है कि आप एक्ट्रेस हैं या एक्टर। आज नियम बदल गए हैं। अब स्टार पावर पहले जैसी नहीं रही, निर्माता भी इस दबाव को महसूस करते हैं। वुमन सेंट्रिक कहानियां अब ज्यादातर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हैं। ओटीटी के कारण यह बदलाव आया है।

खुद को कैसे इंस्पायर करती हैं?

सोच सबसे अहम है। जब आप जिंदगी में खुश होते हैं, तो इंस्पिरेशन अपने अच्छे काम से मिलती है। परिवार को गर्व महसूस कराने से मिलती है। मुझे दूसरों की राय की परवाह नहीं है। मैं बस काम करना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी यह सीखे कि महिलाएं शादी और मां बनने के अलावा भी जिंदगी में सपने देख सकती हैं। मैं अपनी विरासत के रूप में यही बात छोड़कर जाना चाहती हूं।

आपने प्रियंका चोपड़ा को बतौर आइडल खूब सराहा है

प्रियंका पूरी तरह से सेल्फ मेड हैं। उन्होंने सब कुछ अपने दम पर हासिल किया। ना किसी की मदद ली, ना किसी तरह का शॉर्टकट अपनाया। पर्दे के पीछे वह कॉन्फिडेंस से भरी हैं। बहुत जमीन से जुड़ी इंसान हैं। वह दूसरों को भी आगे बढ़ने में मदद करती हैं। मैंने उन्हें कई बार देखा है। वह कभी इनसिक्योर नहीं रहीं। यही एक आइडल की पहचान है। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी भी इसी तरह खुद पर विश्वास करे और सबकुछ हासिल करे।

अरावली अपार्टमेंट में बनाया 31 फीट का गोवर्धन पर्वत

नोएडा (चेतना मंच)। बी-3 अरावली अपार्टमेंट सेक्टर-34 नोएडा में गोवर्धन अन्नकूट महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी निवासियों विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों द्वारा गाय के गोबर एवं रंगोली से 31 फ़ीट बड़ा भव्य गोर्वधन पर्वत बनाये गये,दूध के अभिषेक के साथ विधि विधान द्वारा गोवर्धन पूजन सम्पन्न किया गई,साथ में विकास शर्मा एंड पार्टी द्वारा आयोजित भजनों का भी निवासियों ने जमकर आनंद लिया, सभी श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया,

तत्पश्चात लोगों ने अन्नकूट भोजन प्रसाद ग्रहण किया, इस अवसर पर धर्मेन्द्र शर्मा, कृपाशंकर, के के गुप्ता ए के श्रीवास्तव,नीरज शर्मा शिल्पा रजोतिया, पदमा नायडू, सविता केदार, सुरेंद्र यादव, मीनू शर्मा बिमला गिरी सोनम कुमारी बबीता कुमारी गीता गुप्ता मीनाक्षी चौधरी संगीता सिंह बीना कुमारी रीना सिंह मंगला देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सनातन धर्म मंदिर में हुई गोवर्धन पूजा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा स्थित सनातन धर्म मंदिर में गोवर्धन पूजा का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर भक्तों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार गोवर्धन महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना की।

मंदिर परिसर में भक्तों द्वारा दूध की धार से परिक्रमा की गई, जिसे 'दूध अभिषेक परिक्रमा' कहा जाता है। यह विशेष अनुष्ठान गोवर्धन महाराज के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। पूरे कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चारण और आरती से वातावरण भक्तिमय बना रहा। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने गोवर्धन महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और परिवार तथा समाज के कल्याण की कामना की।

इस मौके पर संजय बाली, राम कुमार शर्मा समेत काफ़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सेक्टर 20 में हनुमान मंदिर पर गोवर्धन पूजन करते हुए सक्टर के निवासी। पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया।

असामाजिक तत्वों ने सेक्टर-51 का गेट तोड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। 51 गेट नंबर 12 के पास जो नया गेट लगा था उसे कल रात्रि में सामाजिक तत्वों ने तोड़ दिया। इस गेट से होकर अनाधिकृत लेबर, सेक्टर में प्रवेश करती है और यहां से होकर अन्य सेक्टर में काम के लिए जाती है। इसी गेट पर नशेड़ियों का अड्डा बना हुआ है जहां गांजा व शराब की अनाधिकृत बिक्री भी होती है और सेवन भी होता है।

1 महीने से लगातार यहां व्यवस्था जारी है इसके 100 मीटर आगे एक और गेट लगा हुआ है जिस पर कंसर्टिना फेंसिंग लगवाई गई थी जो पहले ही तोड़ दी गई थी उसकी साइड ग्रिल भी तोड़ी गई थी अब उसे 100 मीटर पहले एक नया गेट लगवाया गया है जिसे कल रात्रि में तोड़ दिया गया है।

इस तरह की व्यवस्था से सेक्टर की सुरक्षा व्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। सेक्टर 51 आर डब्ल्यूए के महासचिव संजीव कुमार ने पुलिस से मांग की है कि यहां पर पुलिस की गश्त तेज की जाए तथा सामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाया जाय।

डीएम मेधा रूपम बनी मौसी, छोटी बहन को पुत्ररत्न की प्राप्ति

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की डीएम मेधा रूपम के परिवार में खुशियां आई हैं। मेधा रूपम की छोटी बहन अभिश्री माँ बनी हैं। अभिश्री आईआरएस अधिकारी हैं। उन्होंने आईएएस अक्षय लबरू के साथ प्रेम विवाह किया है। दोनों की मुलाकात लाल बहादुर शास्त्री एकेडमी, मसूरी में प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षण के दौरान हुई थी। दोनों ने वर्ष 2020 में शादी कर ली थी। अब दोनों के पुत्र ने जन्म लिया है। अभिश्री ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपने पुत्र अगस्त्य से लोगों का परिचय कराया है। इसके बाद यूजर्स ने माँ बनी आईआरएस अधिकारी को बधाई दी है।

यूपी कैडर की आईएएस अधिकारी और वर्तमान में नोएडा डीएम मेधा रूपम ने बहन अभिश्री को माँ बनने पर बधाई दी है। अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर मेधा रूपम ने लिखा कि मासी बन गई हूं। बहन अभिश्री को हमें अगस्त्य के रूप में एक प्यारा बच्चा देने के लिए धन्यवाद।

बहन को दिए संदेश में मेधा रूपम ने लिखा है कि मातृत्व एक ऐसा सफर है जो सबसे कठिन होने के साथ-साथ सबसे ज्यादा संतुष्टिदायक भी है। ईश्वर माँ और बच्चे पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें।

सेक्टर-75 में छठ पूजा की तैयारियां जोरों पर

नोएडा (चेतना मंच)। सूर्योपासना के महान पर्व छठ की तैयारियां नोएडा के कई सेक्टरों में जोरों से चल रही हैं। सेक्टर-75 में श्री छठ पूजा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।महोत्सव की आयोजक संस्था श्री सूर्यदेव पूजा समिति नोएडा के अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि समिति द्वारा भगवान सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने हेतु छठव्रतियों के लिए सेक्टर-75 स्थित गोल्फसिटी,प्लाट-8 के सेंट्रल पार्क में 60 फीट लंबा,25 फीट चौड़ा और 4 फीट गहरा छठ घाट का निर्माण जोरों से चल रहा है।निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है।छठ घाट में अर्घ्य हेतु शुद्ध जल की व्यवस्था की जायेगी तथा गंगा जल भी मिलाया जाएगा। घाट पर प्रकाश की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। घाट और पार्क को साफ- सुथरा किया जा रहा है।

श्री छठ पूजा महोत्सव के आयोजक श्री सूर्यदेव पूजा समिति नोएडा के अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि सूर्योपासना का महान पर्व छठ 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ प्रारंभ होगा।26 अक्टूबर को खरना की पूजा होगी।27 अक्टूबर के सायंकाल अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य प्रदान किया जाएगा।28 अक्टूबर को प्रात: उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा तथा छठव्रतियों द्वारा पारण के पश्चात चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हो जाएगा।

महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज छठ घाट पर श्री सूर्यदेव पूजा समिति की आयोजन समिति की बैठक हुई,जिसमें समिति के अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा,बसंत उपाध्याय, मधुरेंद्र सिंह,नितिन गहलोत,महासचिव राजीव त्यागी, कोषाध्यक्ष प्रभात राय,सहसंयोजक आर.के.श्रीवास्तव, सह-कोषाध्यक्ष हरि प्रसाद, सुनील अग्रवाल,डॉ. शशांक शेखर,अतुल जैन, मनीष यादव,अनमोल सिंह,त्रिपतीनाथ तिवारी, संतोष कुमार,राज लवानिया,नरेश केडिया,आदि उपस्थित थे।

जिम्स की उत्कृष्ट सेवाओं को एसीएस अमित घोष ने सराहा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव (चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) अमित कुमार घोष, आईएएस ने गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (GIMS), ग्रेटर नोएडा में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक का संचालन किया। यह उनका जीआईएमएस के साथ पहला आधिकारिक दौरा था। बैठक निदेशक के बोर्ड रूम में आयोजित की गई, जिसमें राज्य के चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को सशक्त करने के लिए व्यापक योजनाओं पर चर्चा हुई।

इस उच्च स्तरीय बैठक में सुश्री अपर्णा यू, आईएएस, सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा (DGME); डॉ. चन्दन सोनी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गौतम बुद्ध नगर; ब्रिगेडियर (डॉ.) राकेश गुप्ता, निदेशक, जीआईएमएस; मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (CMS), चिकित्सा अधीक्षक (MS), डीन (क्वालिटी) तथा मेडिकल इनक्यूबेशन सेंटर के सीईओ उपस्थित रहे।

दौरे की शुरुआत ब्रिगेडियर (डॉ.) राकेश गुप्ता, निदेशक, जीआईएमएस द्वारा संस्थान की उपलब्धियों के विस्तृत प्रस्तुतीकरण से हुई। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में जीआईएमएस द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी। विशेष रूप से सुपर स्पेशलिटी ओपीडी, चिकित्सा नवाचार, कोविड-19, डेंगू और क्रिटिकल केयर जैसी चुनौतियों से निपटने में संस्थान की भूमिका को रेखांकित किया गया।

अपर मुख्य सचिव श्री घोष ने जीआईएमएस टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए उत्कृष्ट कार्य जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने NABH और NABL मानकों के पालन के लिए संस्थान की प्रशंसा की और कहा कि इन गुणवत्ता मानकों को प्रदेश के अन्य सरकारी अस्पतालों में भी लागू किया जाना चाहिए ताकि मरीजों को समान स्तर की उत्कृष्ट सेवाएं मिल सकें।

राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को और सशक्त बनाने हेतु श्री घोष ने जीआईएमएस में कैथ लैब और ट्रॉमा सेंटर की स्थापना के निर्देश दिए। साथ ही नर्सिंग कॉलेज की सीट क्षमता बढ़ाने और सरकारी अस्पतालों में DNB (Diplomate of National Board) कार्यक्रम प्रारंभ करने पर बल दिया, ताकि विशेष चिकित्सा शिक्षा को प्रोत्साहन मिल सके।